डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 135 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 23 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने परिवार संग देखा अक्षरधाम मंदिर

● शाम को पीएम मोदी ने किया डिनर होस्ट, 4 दिन के भारत दौरे पर हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सोमवार को पत्नी उषा, बच्चों इवान, विवेक और मीराबेल के साथ दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर गए। वे वहां करीब 1 घंटे रुके। उपराष्ट्रपति बनने के बाद यह जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है। वे 4 दिन भारत में रहेंगे। वेंस का प्लेन सुबह 9.45 बजे दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर उतरा। यहां केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें रिसीव किया। एयरपोर्ट पर ही उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वेंस, उनकी पत्नी और बच्चों के

सामने कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य पेश किया। प्रधानमंत्री मोदी ने शाम को वेंस और उनके परिवार के लिए डिनर होस्ट किया। वेंस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से भी मुलाकात की। अक्षरधाम मंदिर देखने के बाद जेडी वेंस अपने परिवार के साथ दिल्ली के जनपथ स्थित सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम देखने के लिए गए। यहां पर भारतीय हस्तशिल्प के उत्पाद मिलते हैं।

उषा वेंसः आंध्र की बेटी, अमेरिका की हस्ती

उषा वेंस, जिनका जन्म उषा चिलुकुरी के नाम से हुआ, भारतीय मूल की एक प्रेरक शख्सियत हैं। उनका परिवार आंध्र प्रदेश के वडलुरु गांव से है। उनके दादाजी रामशास्त्री चिलुकुरी आईआईटी मद्रास में फिजिक्स के प्रोफेसर थे। उषा के माता-पिता, राधाकृष्ण कृष चिलुकुरी और लक्ष्मी चिलुकुरी, 1970 के दशक में अमेरिका चले गए। उनकी मां सैन डिएगो यूनिवर्सिटी में मॉलिक्यूलर बायोलॉजी की प्रोफेसर और प्रोवोस्ट हैं, जबकि पिता सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पढ़ाते हैं। उषा और उनकी बहन श्रेया कैलीफोर्निया में धार्मिक माहौल में पली-बढ़ीं। उषा ने येल यूनिवर्सिटी से लॉ किया है।

पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन

● वेटिकन ने की आधिकारिक घोषणा, ईस्टर के एक दिन बाद ली अंतिम सांस

वेटिकन सिटी (एजेंसी)। पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया है। वेटिकन के कैमर्लेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने बताया है कि पोप फ्रांसिस ने रोम के समय के हिसाब से सोमवार सुबह 7.35 बजे अंतिम सांस ली। वह 88 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। फेरेल ने अपने बयान में कहा कि पोप फ्रांसिस का पूरा जीवन गॉड और चर्च की सेवा में समर्पित रहा। उन्होंने लोगों को

हमेशा प्रेम और साहस के साथ जीने का पाठ पढ़ाया। पोप फ्रांसिस के निधन के बाद अब नए पोप का चुनाव किया जाएगा। कार्डिनल मिलकर नए पोप का चुनाव करेंगे। पोप फ्रांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 को अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। उनका असली नाम जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो था। उन्होंने 13 मार्च 2013 को पोप का पद संभाला था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का सर्वोच्च धर्म गुरु का पद है। रोम के बिशप और वैटिकन के राज्याध्यक्ष को पोप कहा जाता है।

2027 से पहले यूपी से दिल्ली तक सक्रिय हुआ आरएसएस

● यूपी चुनाव से पहले अखिलेश के पीडीए की भी खोज ली है काट! ● बीजेपी के संगठन में बदलाव के संकेत, सामाजिक समरसता पर काम ● मोहन भागवत ने उत्तर प्रदेश में 'पंच परिवर्तन' पर कर लिया है फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उत्तर प्रदेश में मिली कम सीटों के बाद लगता है आरएसएस 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गया है। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण को टक्कर देने के लिए आरएसएस सामाजिक समरसता और वैचारिक रणनीति पर काम कर रहा है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 'पंच परिवर्तन' की बात की है। इसका मतलब है समाज में पांच बुनियादी बदलाव लाना। आरएसएस बीजेपी के संगठन को मजबूत करने और सामाजिक समीकरणों को साधने में लगा रहा है। यूपी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने स्वयंसेवकों को जो संदेश दिए हैं, उससे यही लगता है कि उसे अखिलेश यादव के पीडीए मॉडल की काट मिल गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में

बीजेपी को बड़ा झटका लगा था। समाजवादी पार्टी के पीडीए समीकरण ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। सपा और उसके गठबंधन को 44 सीटें मिलीं।

'संघ' का सामाजिक समरसता वाला संदेश

मोहन भागवत ने 'एक कुआं, एक मंदिर, एक श्मशान' की बात दोहराई है। यह नारा उसी कोशिश का प्रतीक है, जो दलितों और पिछड़ों को हिंदू समाज के अंदर एकजुट करने की दिशा में जाती है। यह पहल सिर्फ सामाजिक नहीं है। बल्कि राजनीतिक भी है। क्योंकि इससे पीडीए जैसे समीकरणों को सामाजिक स्तर पर चुनौती मिल सकती है। दरअसल, आरएसएस संस्कृति के जरिए सामाजिक समरसता का संदेश देना चाहता है। भागवत ने साझा भोजन, सामूहिक त्योहार, और पारिवारिक हवन जैसे प्रतीकों के जरिए यह बताने की कोशिश की कि सांस्कृतिक जुड़ाव कैसे सामाजिक दूरियों को मिटा सकता है।

चुनाव में गड़बड़ी साफ दिख रही, ईसी ने किया समझौता

● राहुल अमेरिका में बोले-महाराष्ट्र चुनाव पर उठाया सवाल ● कहा-शाम 5.30 से 7.30 के बीच 65 लाख वोट कैसे पड़े

बोस्टन (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अमेरिका के बॉस्टन में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर सवाल उठाए। उन्होंने रविवार शाम भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह साफ है कि भारतीय चुनाव आयोग समझौता कर चुका है। इस सिस्टम में कुछ गड़बड़ी है। राहुल 2 दिन के अमेरिका दौरे पर हैं। राहुल गांधी शनिवार देर रात को अमेरिका के बॉस्टन एयरपोर्ट पर उतरे थे। वे यहां रोड आईलैंड स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी का दौरा करेंगे, जहां वे फैकल्टी और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस

नेता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के इस दौरे की जानकारी एक्स पर दी थी। राहुल बोले- मैं कई बार कह चुका हूं कि महाराष्ट्र में जितने बालिग नहीं हैं, उससे ज्यादा वोटिंग हुई। चुनाव आयोग ने हमें साढ़े पांच बजे वोटिंग का आंकड़ा बताया। इसके बाद 5.30 से शाम 7.30 के बीच 65 लाख वोटिंग हुई।

चिराग का सियासी धमाल, टेंशन में होंगे नीतिश कुमार

● बिहार चुनाव में फिर बवाल काटेंगे मोदी के हनुमान!

पटना (एजेंसी)। लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एक बार फिर चर्चा में हैं। उनका अंदाज भले ही नया हो, लेकिन लक्ष्य पुराना है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने जदयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर नीतीश कुमार के कद को छोटा किया था। अब उनके बदले हुए तेवर से जेडीयू को फिर से खतरे में डालते दिख रहे हैं। चिराग पासवान की असली मंशा क्या है, यह एक बड़ा सवाल है। दरअसल, चिराग पासवान ने एक बयान

दिया था, जिससे यह धमाल मचा हुआ है। उन्होंने कहा था कि बिहार मुझे बुला रहा है। मेरा राजनीति में आने का कारण ही बिहार और बिहारी रहा है। सांसद बनने से ज्यादा महत्वपूर्ण मेरे लिए एक विधायक की भूमिका होगी, जहां मैं अपने राज्य के लिए ज्यादा कार्य कर सकूं। इस बयान के बाद यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि चिराग मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि वह इसके लिए अन्य दलों से गठबंधन करके चुनाव में तीसरा कोण बनाएंगे। लेकिन सच्चाई कुछ और ही है।

'दीदी' के कोलकाता को 'मोदी' का मिलने जा रहा है खास तोहफा!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री हैं ममता बनर्जी। लोग उन्हें 'दीदी' के नाम से जानते हैं। दीदी के कोलकाता को केंद्र सरकार की तरफ से एक खास तोहफा मिलने जा रहा है। दरअसल, भारतीय रेलवे नई दिल्ली और हावड़ा के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने जा रहा है। यह इस रूट पर यह तीसरी प्रीमियम सर्विस होगी। इससे पहले राजधानी

भारतीय रेलवे शुरू कर रहा है नई ट्रेन, नाम होगा 'वंदे भारत स्लीपर'

एक्सप्रेस और दुरंतो एक्सप्रेस भी इस रूट पर चल रही हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सितंबर 2024 में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का अनावरण किया था। इसे रेलवे ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की टेक्नोलॉजी से बनाया है। इस बीच, इसका ट्रायल राजस्थान के कोटा में कर लिया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वंदे भारत स्लीपर वर्जन की पहली गाड़ी नई दिल्ली और हावड़ा के बीच चलाई जाएगी। इसके लिए आईसीएफ में इस ट्रेन का दो रैक तैयार कर लिया गया है। गौरतलब है कि देश की पहली राजधानी एक्सप्रेस भी इसी रूट पर चलाई गई थी।

मुर्शिदाबाद से लेकर अवमानना तक हुई 'सुप्रीम' सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या हम राष्ट्रपति को आदेश दें

केंद्रीय बलों की तैनाती से इनकार, वकील के दावों पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका सहि अवमानना के मामले पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले। इस पर जस्टिस बीआर

गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें। हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं।

अवमानना याचिका के लिए हमारी जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर अवमानना की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- याचिका दायर करने के लिए कोर्ट की मंजूरी की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके लिए अटॉर्नी जनरल से इजाजत लेनी होगी। याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि निशिकांत ने सीजेआई और न्यायपालिका का अपमान किया है। क्या वह निशिकांत के खिलाफ अवमानना की याचिका दायर कर सकता है। इसके बाद एडवोकेट अनस तनवीर ने अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर दुबे के खिलाफ अवमानना की इजाजत मांगी। दरअसल, भाजपा सांसद दुबे ने 19 अप्रैल को कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाने हैं तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए।

जस्टिस वर्मा बेंच के मुकदमों की सुनवाई अब दोबारा होगी

● 50 से अधिक मामले पेंडिंग, घर से 500-500 के अधजले नोटों से भरी बोरियां मिली थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस यशवंत वर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच द्वारा सुने जा रहे 50 से अधिक मामलों की सुनवाई नए सिरे से होगी। हाई कोर्ट ने इसकी जानकारी एक नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिस में 52 मामलों की लिस्ट दी गई है, जिनमें सिविल रिट याचिकाएं भी शामिल हैं। ये मामले 2013 से 2025 तक के हैं। इनमें प्रॉपर्टी टैक्स से संबंधित एनडीएमसी अधिनियम के प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 22 याचिकाएं शामिल हैं। जस्टिस वर्मा से 23 मार्च को न्यायिक कार्यभार वापस ले लिए गए थे। इसके बाद से वकील इन मामलो को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी. के. उपाध्याय के सामने पेश कर रहे थे। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश मांग रहे थे।

ओकेंद्र का ऐलान-समय का इंतजार करो दोस्त, जल्द मिलेंगे

रामजीलाल सुमन और अखिलेश यादव की फोटो पोस्ट की, कैप्शन में लिखा-जल्द फिर रुलाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सपा सांसद रामजीलाल सुमन और करणी सेना के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की रामजीलाल सुमन से मुलाकात के बाद करणी सेना युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में अखिलेश यादव और रामजीलाल सुमन की एक फोटो के साथ कैप्शन में लिखा- आज आप हंस रहे हो, हमारे समाज का अपमान

करके। जल्द तुम रोओगे और वही समाज हंसेगा। अगली बार अखिलेश रोयेगा, सपा पार्टी के घटिया नेता रोयेंगे। समय का इंतजार करो दोस्त, जल्द मुलाकात होगी। 24 मार्च को पूरा देश देख रहा था, आपके घर की नींव हिलाकर गया था। घर से चिल्लाने की आवाजें निकलवाकर आया था। फिर 12 अप्रैल को सांसद सुमन का घर भारत-पाकिस्तान की सीमा सरहद जैसा बनवाकर गए थे। फिर पुलिस सिक्योरिटी की गुहार करोगे सरकार से। राष्ट्रपति जी को पत्र लिखकर फिर रोओगे तुम सुमन। अब फिर हंस रहे हो- तो जल्द फिर रूला देंगे।

वह तो सारा देश को पता लग गया कि सुमन को मोहरा बनाया था अखिलेश ने। कोई बात नहीं, अगली बार अखिलेश रोयेगा, सपा पार्टी के घटिया नेता रोयेंगे...समय का इंतजार करो दोस्त, जल्द मुलाकात होगी।

महाराष्ट्र में मराठी को प्राथमिकता हिंदी नहीं थोपी जाएगी: सीएम

● मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बोले-भाषा सीखना है महत्वपूर्ण

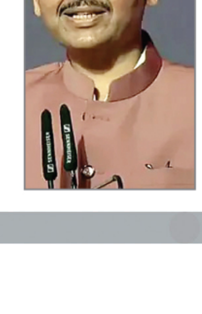

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हिंदी भाषा को राज्य पर थोपा नहीं जा रहा है। हमें यह समझने की जरूरत है कि मराठी के बजाय हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। मराठी भाषा अनिवार्य है। उन्होंने कहा- नई शिक्षा नीति में कहा गया है कि छात्रों को पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। नई शिक्षा नीति ने तीन भाषाएं सीखने का अवसर प्रदान किया है। भाषा सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नियम कहता है कि इन तीन भाषाओं में से दो भारतीय होनी चाहिए। मराठी को पहले से ही अनिवार्य किया जा रहा है। आप हिंदी, तमिल, मलयालम या गुजराती के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं ले सकते।

रॉयल पत्रिका
संपादकीय

सुधार की जरूरत...

Unified Payments Interface यानी यूपीआई के एक बार फिर डाउन होने से बड़ी संख्या में यूजर्स को परेशानी झेलनी पड़ी। दो हफ्ते में तीसरी बार इस तरह की दिक्कत पेश आना बताता है कि एक अकेली बॉडी नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के भरोसे रहने के बजाय वैकल्पिक इंतजाम भी किए जाने चाहिए। वैसे, यह भी सच है कि भारत का ऐप्स बेस्ड पेमेंट सिस्टम बाकी दुनिया से कहीं आगे है।

टेक्निकल एरर: यूपीआई के डाउन होने पर NPCI की ओर से बताया गया कि तकनीकी समस्या की वजह से ऐसा हुआ। दिन में कई घंटे के लिए ट्रांजेक्शन रुक गए। ऐसा ही कुछ मार्च के आखिरी हफ्ते में भी हुआ था और तब भी यही कारण बताया गया था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि अप्रैल में UPI ट्रांजेक्शंस बहुत बढ़ गए हैं और इसके पीछे है IPL। इस समय बेटिंग और गेमिंग ऐप्स के चलते ऑनलाइन लेनदेन खूब हो रहा है। इस महीने हर दिन औसतन 60 करोड़ ट्रांजेक्शन किया जा रहा है।

तैयारी क्यों नहीं: केवल मार्च में ही 18 अरब यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए, जबकि इसके पहले के तीन महीनों में यह आंकड़ा केवल 16 अरब था। जाहिर है कि इंडियन प्रीमियर लीग शुरू होने के साथ ही ट्रांजेक्शन भी बढ़ा। जब दो बार पहले टेक्निकल एरर का सामना किया जा चुका था, तो तीसरी बार के लिए तैयारी क्यों नहीं हुई ?

सबसे ज्यादा लेनदेन: पूरी दुनिया में जितने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन होते हैं, उसके करीब 49% केवल भारत में अंजाम दिए जाते हैं। 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, यूपीआई के जरिये 117.6 अरब लेनदेन किए गए। हर दिन के साथ यह आंकड़ा बढ़ रहा है। इसकी वजह है सहूलियत और देश के दूरदराज के इलाकों तक इंटरनेट की पहुंच। UPI ने आर्थिक समानता लाने में मदद की है, बैंकों पर से बोझ कम किया है और लेनदेन को चंद सेकंड्स का काम बना दिया है। सबसे बड़ी बात कि इससे लेनदेन पर आम जनता को एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ता।

दूसरे भी मुरीद: कुछ तकनीकी खामियों के बावजूद UPI जैसा कोई और सिस्टम दुनिया में मौजूद नहीं, जो इतनी बड़ी आबादी के बीच काम कर सके। यही वजह है कि फ्रांस, सिंगापुर, यूएई, मॉरिशस समेत सात देश इसका इस्तेमाल करने लगे हैं और भविष्य में कई और मुल्क भी इससे जुड़ेंगे।

धोखाधड़ी के केस में फंसे मार्क जुकरबर्ग

फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप जैसे एप्स की पेरेंट कंपनी मेटा के खिलाफ 14 अप्रैल को ट्रायल शुरू हो गया है। US फेडरल ट्रेड कमीशन यानी FTC ने मेटा और इसके फाउंडर मार्क जुकरबर्ग पर सोशल मीडिया में एकाधिकार यानी मोनोपॉली और इसके गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया है। ये आरोप इतने गंभीर हैं कि 1.3 ट्रिलियन डॉलर की मेटा का बंटवारा तक हो सकता है। करीब 17 हजार करोड़ यूजर्स वाला वॉट्सएप और इंस्टाग्राम बिक सकता है।

9 दिसंबर 2020 को अमेरिका की फेडरल ट्रेड कमीशन यानी FTC और 46 राज्यों ने वॉशिंगटन डीसी की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मेटा के खिलाफ दो अलग-अलग मुकदमे दायर किए, जिसमें कहा गया...

2012 में मेटा (तब फेसबुक) ने इंस्टाग्राम को 1 बिलियन डॉलर में खरीदा था। उस समय इंस्टाग्राम तेजी से बढ़ रहा फोटो शेयरिंग एप था, जिसे मेटा ने अपने प्लेटफॉर्म के साथ जोड़ा।

2014 में मेटा ने पॉपुलर मैसेजिंग एप 'वॉट्सएप' को 19 बिलियन डॉलर में खरीदा। इसके जरिए मेटा ने मैसेजिंग मार्केट में धाक जमाई। इस खरीद का मकसद कॉम्पिटिशन को कम करना था, न कि प्लेटफॉर्म को बेहतर करना। मेटा ने गलत तरीकों से सोशल मीडिया और मैसेजिंग मार्केट पर कब्जा किया। साथ ही सोशल मीडिया पर अवैध एकाधिकार यानी मोनोपॉली कर अन्य छोटी कंपनियों को दबा दिया।

पहला मुकदमा FTC ने दायर किया

जून 2021 में जज जेम्स बोसबर्ग ने FTC के मुकदमे को खारिज कर दिया था। तब FTC साबित नहीं कर पाई कि मेटा के पास सोशल नेटवर्किंग बाजार में एकाधिकार था। जज ने कहा, 'FTC ने मार्केट शेयर के सही आंकड़े नहीं दिए।'

अगस्त 2021 में FTC ने फिर से केस दायर किया और सबूत दिया कि 2018 में मेटा का सोशल नेटवर्किंग मार्केट में 60% से ज्यादा हिस्सा था। मेटा ने जानबूझकर स्नैपचैट जैसे कॉम्पिटिटर्स को दबाया। इस मुकदमे को कोर्ट ने मंजूर कर आगे बढ़ा दिया। इसका पहला ट्रायल 14 अप्रैल 2025 को वॉशिंगटन डीसी की कोर्ट में हुआ।

दूसरा मुकदमा 46 राज्यों ने दायर किया

वॉशिंगटन डीसी, गुआम, अलास्का और कैलिफोर्निया जैसे 46 राज्यों की ओर से न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने केस लड़ा। FTC की तरह, इन राज्यों ने भी कहा कि मेटा ने इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की खरीद के जरिए अवैध एकाधिकार बनाया।

जून 2021 में जज बोसबर्ग ने इस मुकदमे को भी खारिज कर दिया। जज ने कहा कि राज्यों ने मुकदमा दायर करने में देर कर दी, जबकि इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की खरीद को 8-10 साल गुजर चुके थे और कानूनी समय सीमा खत्म हो गई थी। राज्य यह साबित नहीं कर पाए कि मेटा की पॉलिसी से उनके नागरिकों को सीधा नुकसान हुआ या नहीं।

FTC ने मेटा पर 4 बड़े आरोप लगाए हैं...

1. मेटा की Buy-or-Bury स्ट्रैटजी: मेटा ने अपनी कॉम्पिटिटर कंपनियों को खरीद लिया या उन्हें बाजार से बाहर कर दिया। मेटा को लगा कि इंस्टाग्राम फेसबुक के लिए खतरा बन सकता था, इसलिए इंस्टाग्राम को खरीदकर अपने प्लेटफॉर्म में शामिल कर लिया। FTC ने कहा कि मेटा के पास सोशल नेटवर्किंग मार्केट का बड़ा हिस्सा था। मेटा ने नई कंपनियों के लिए मुकाबला करना मुश्किल कर दिया।

2. कॉम्पिटिटर्स को बढ़ने से रोका: मेटा ने छोटी कंपनियों को बढ़ने से रोका। इससे यूजर्स को नए सोशल मीडिया एप्स के ऑप्शन नहीं मिले। मेटा ने स्नैपचैट जैसे कॉम्पिटिटर्स को कमजोर करने की कोशिश की और अन्य एप्स के फीचर्स कॉपी कर इंस्टाग्राम पर लॉन्च किए।

3. डेटा स्ट्रैटजी से मार्केट पर कंट्रोल: मेटा ने अपनी मर्जी से डेटा स्ट्रैटजी अपनाई और पर्सनल सोशल नेटवर्किंग पर कब्जा किया। इन एप्स पर यूजर्स अपने परिवार और दोस्तों के साथ कनेक्ट होते थे। 2018 में मेटा का सोशल नेटवर्किंग मार्केट पर 60% से ज्यादा कब्जा था।

4. ऐड-मार्केट में मोनोपॉली बनाई: मेटा ने ऐड-मार्केट यानी विज्ञापन बाजार पर कब्जा किया। साथ ही अपनी मर्जी से विज्ञापनों के रेट तय किए, जिससे विज्ञापन देने वाली कंपनियों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ी। यह शर्मन एंटीट्रस्ट एक्ट और क्लेटन एक्ट के सेक्शन 7 का उल्लंघन है। ये नियम ऐसी खरीद को रोकता है, जिससे कॉम्पिटिशन कम हो।

इसके अलावा FTC ने मेटा के इंटरनल ई-मेल और डॉक्यूमेंट्स पेश किए। इनमें मार्क जुकरबर्ग के 2012 के वो ई-मेल भी शामिल थे, जिसमें इंस्टाग्राम को खरीदने की जरूरत बताई थी, ताकि यह फेसबुक के लिए खतरा न बने।

मुकदमे में FTC की 3 बड़ी मांगें...

कंपनियों को अलग करना: मेटा को इंस्टाग्राम और वॉट्सएप को बेचने या अलग कंपनियां बनाने का आदेश दिया जाए।

बिना इजाजत की खरीद पर रोक: मेटा को FTC की मंजूरी के बिना ऐसी खरीद करने से रोका जाए, जो कॉम्पिटिशन को कम करती हो।

स्ट्रैटजी में बदलाव: मेटा की उन स्ट्रैटजीज को खत्म किया जाए जो डेवलपर्स या छोटी कंपनियों को दबाती हैं।

वॉशिंगटन डीसी की कोर्ट में मार्क जुकरबर्ग ने 14 अप्रैल को 7 घंटे जवाब दिए और अगले दिन भी ये जारी रहा। अपने पहले ट्रायल में जुकरबर्ग ने मेटा का बचाव करते हुए 5 बड़ी बातें कहीं...

मेटा ने 2012 में इंस्टाग्राम और 2014 में वॉट्सएप को खरीदकर उन्हें बेहतर बनाया। इन खरीदों से दोनों एप्स की पहुंच और फीचर्स बढ़े, जिससे यूजर्स को ज्यादा सुविधाएं मिलीं। इंस्टाग्राम में मेटा ने भारी निवेश किया, जिससे यह एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म बना।

सोशल मीडिया मार्केट में टिकटॉक, यूट्यूब, X, स्नैपचैट, और iMessage जैसे एप्स की वजह से ज्यादा कॉम्पिटिशन है। सोशल मीडिया अब सिर्फ दोस्तों-परिवार से जुड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एंटरटेनमेंट और रिसर्च प्लेटफॉर्म बन गया है, जहां मेटा को कई कंपनियों से मुकाबला करना पड़ता है। इसलिए एकाधिकार यानी मोनोपॉली का आरोप गलत है।

मेटा अपने यूजर्स को फ्री एप्स देती हैं। इन पर दिखाए जाने वाले विज्ञापन के जरिए यूजर्स को नए प्रोडक्ट्स की जानकारी मिलती है। यह कहना गलत है कि यूजर्स को एप पर कम सिक्योरिटी और ज्यादा विज्ञापन मिले।

उस समय इंस्टाग्राम तेजी से बढ़ रहा था, इसलिए टीम को हमेशा बेहतर करने की चुनौती दी जाती थी, न कि सिर्फ प्रतिद्वंद्वियों को खरीदने की। फेसबुक का फोकस समय के साथ बदल गया। अब यह 'डिस्कवरी एंड एंटरटेनमेंट' पर ज्यादा फोकस्ड है।

FTC के 2012 के ई-मेल के आरोप में जुकरबर्ग ने कहा, 'ये बातें उस समय के लिए थीं और अब पुरानी हो चुकी हैं। इंस्टाग्राम को खरीदने का मकसद फेसबुक की मोबाइल स्ट्रैटजी को मजबूत करना था, क्योंकि 2010 के दशक में फेसबुक डेस्कटॉप पर ज्यादा मजबूत था और इंस्टाग्राम मोबाइल में।'

सोशल मीडिया पर एकाधिकार यानी मोनोपॉली करना अवैध है क्योंकि यह कॉम्पिटिशन को सीमित करता है। यूजर्स को नुकसान पहुंचाता है और नए एप्स को बढ़ने से रोकता है।

एकाधिकार की वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यूजर्स के डेटा पर पूरा कंट्रोल कर सकते हैं, जिससे डेटा के लीक होने का खतरा रहता है।

एकाधिकार से सोशल मीडिया पर अन्य प्लेटफॉर्म्स के लिए एंट्री करना मुश्किल हो जाता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेज की कीमतें बढ़ा सकते हैं, जिससे यूजर्स को नुकसान हो सकता है।

नए और बेहतर प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को लॉन्चिंग का मौका नहीं मिलता।

उदाहरण से समझें- किसी शहर में किराने की एक बड़ी दुकान है, जो सारी चीजें बेचती है। अगर वह दुकान छोटी दुकानों को खरीद ले या उन्हें बंद करवा दे, तो ग्राहकों के पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं बचेगा। वे उसी बड़ी दुकान से मनमाने दामों पर सामान खरीदने को मजबूर होंगे। FTC का कहना है कि मेटा ने सोशल मीडिया और मैसेजिंग बाजार में ऐसा ही किया।

पर्यावरण

विकेश कुमार बडोला

प्राकृतिक असंतुलन को लेकर गंभीर हो मनुष्य

जहां राजधानी और महानगरों वाला भारत न्यायालयों के जंजाल में फंसा हुआ है, वहीं प्राकृतिक असंतुलन समानांतर रूप में देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में विनाश-लीला रचने में लगा हुआ है। 20 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के रामबन जनपद में सूर्योदय से पहले हुई तीव्र वर्षा के कारण अनेक स्थानों पर बाढ़ आ गई। बाढ़ की घटनाओं में तीन लोगों की मृत्यु हो गई और बाढ़ में फंसे सौ से अधिक लोगों को किसी प्रकार सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। जम्मू-कश्मीर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नाशरी और बनिहाल के बीच बारह से अधिक स्थानों पर भूस्खलन, मृदाधंसाव और भारी पत्थर गिरने-लुढ़कने की घटनाएं हुईं। ढाई सौ किलोमीटर लंबे राजमार्ग के बंद होने के कारण इस पर सैकड़ों यात्री और वाहन चालक फंसे हुए हैं। समीप ही स्थित ग्लेशियर सुरंग के अंदर-बाहर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। सुरंग सहित लगभग तीन किलोमीटर राजमार्ग की पृष्ठभूमि में स्थित पूरा पर्वत भरभराकर धंस गया। इसके बाद राजमार्ग का दूसरा हिस्सा धंसाव के बाद बहे पर्वतों के मलबे के साथ सरपट खाई में बदल गया है। घटना के चलचित्र देखकर प्राकृतिक आपदा की गंभीरता भली-भांति समझी जा सकती है। जलवायु की निरंतर विकृत एवं विनाशक होती स्थितियों की भी हमारे द्वारा अनदेखी की जा रही है। दुर्घटना के बाद कुछ दिनों के लिए स्थितियां सामान्य होते ही हम पिछला सब कुछ भूल जाते हैं और फिर जलवायु असंतुलन के कारण एक नई दुर्घटना घट जाती है। विगत कई दशकों से हिमालयी पर्वत क्षेत्र में यही हो रहा है। विद्युत उत्पादन के लिए बांधों के निर्माण, पर्यटन में वृद्धि हेतु रहने-घूमने की संरचनाओं के निर्माण और इन निर्माण परियोजनाओं को पूरा करने व इनके भोगोपभोग के लिए इन तक जाने-पहुंचने हेतु मार्गों के निर्माण के कारण पर्वतों की प्राकृतिक शक्ति समाप्त हो चुकी है। पर्वतों पर विकास के परिणामस्वरूप बढ़े आवागमन, भारी मोटर वाहनों के चालन-परिचालन और तरह-तरह की संरचनाएं खड़ी करने के लिए विस्फोटकों की सहायता से तोड़े गए पर्वतीय पठार पारस्परिक नैसर्गिक पर्वत-बंधन से मुक्त हो चुके हैं। विभिन्न पर्वतीय भाग अब पारस्परिक अवलंबन की अवस्था से पृथक हो चुके हैं। इसीलिए उनमें अत्यधिक या तीव्र वर्षण का भार वहन करने का शक्तिगुण नहीं बचा। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तरखंड में माह डेढ़ माह के अंतराल में कोई न कोई प्राकृतिक विपदा घट ही रही है। यह घटनाक्रम तीन-चार दशकों से निरंतर चला आ रहा है और विगत दस-पंद्रह वर्षों में तो ऐसी घटनाएं भयंकर रूप में घटी हैं। जम्मू-कश्मीर से लेकर उत्तराखंड तक परिव्याप्त हिमालयी गिरिमाला पर आधुनिक विकास के कारण पड़ने वाले जो भी प्रतिकूल प्रभाव हैं, वे पर्वतों के सबसे ढलान वाले अंशों पर अधिक हैं। उत्तराखंड में सर्वाधिक पर्वत-विचलन हुआ है। इसके बाद उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के बीच स्थित हिमाचल प्रदेश में अधिक पर्वतीय अस्थिरताएं हो रही हैं। पर्वतों के सर्वाधिक निचले और मध्य भाग में दीर्घ समय तक होने वाले ऐसे विचलनों व अस्थिरताओं के कारण एक दुर्भाग्यशाली दिन वह भी आएगा जब जम्मू-कश्मीर में स्थित हिमालय का सर्वोच्च शिखर जलवायु असंतुलन का अकल्पनीय विनाश झेलेगा। क्या इससे सुरक्षित रहने के लिए भारत और हिमालय पट्टिका के दोनों ओर स्थित देशों की कोई तैयारी है? संभवतः कोई तैयारी नहीं है और ना ही हो सकती है। अर्थव्यवस्था बढ़ाने पर केंद्रित दुनिया हर संभव औद्योगिक व भौतिक अनुसंधान कर देना चाहती है। फिर चाहे इसके लिए समग्र पृथ्वी की पूरी प्रकृति ही ध्वस्त क्यों न हो जाय। कुछ देश तो इस संबंध में दिखावटी-बनावटी चिंता भी नहीं कर रहे। वे तो निर्मम आधुनिकता पर सवार होकर पृथ्वी से अंतरिक्ष तक विस्तारित क्षेत्र को वैज्ञानिक प्रयोगों से इस सीमा तक अप्राकृतिक कर चुके हैं कि संवेदनशील व्यक्ति को यदि आंख उठाकर आकाश की नीलिमा देखने की इच्छा होती है तो वायुमंडल में पसरी हुई मटमैली कुरूपित धुंध उसे दुखित आहें भरने को ही विवश करती है। अधिसंख्य मनुष्यों को असंतुलित जलवायु के कारण उत्पन्न ऐसे वातावरण के बारे में कोई स्वाभाविक समझ ही नहीं है। प्राकृतिक असंतुलन के कारण आए दिन वे किसी न किसी असाध्य रोग से ग्रस्त ही रहते हैं मनुष्य चाहे साधारण व्यक्ति, नागरिक, पारिवारिक सदस्य के रूप में हो अथवा विद्वान, पदाधिकारी या धन-संसाधन संपन्न विशिष्ट व्यक्ति के रूप में, उसे गंभीर होकर यह जान लेना होगा कि अंधाधुंध आधुनिक विकास आने वाले कुछ वर्षों में महाविनाश का ही पर्याय होगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मर्यादा के दायरे में कर्तव्यों का पालन

संकलित

दर्शन

भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा के दायरे में रहकर कर्तव्यों का पालन करने की सीख देता है। उनके जीवन से हम कई चीजों की प्रेरणा ले सकते हैं, जो जीवन में हमें सही मार्ग प्रशस्त करते हैं। भगवान श्रीराम ने कठिन से कठिन हालातों में भी आत्मसंयम, धैर्य और साहस से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने कभी भी क्रोध में आकर कोई निर्णय नहीं लिया, बल्कि हर चुनौती का सामना शांति और विवेक के साथ किया। श्रीराम अपने वचनों के प्रति अत्यंत निष्ठावान थे। उन्होंने जीवन भर अपने वचनों और दायित्वों का पूरी निष्ठा से पालन किया। वनवास के दौरान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता माता ने सिर्फ कंद-मूल और फल खाकर जीवन बिताया। उन्होंने कभी भी मांसाहार या तामसिक भोजन को नहीं अपनाया। शबरी के प्रेमपूर्वक दिए बेर भी उन्होंने आदरपूर्वक ग्रहण किए। राजसी वैभव छोड़कर वनवास के समय भगवान राम ने तपस्वियों का वेश धारण किया। उन्होंने सादगी से जीवन जिया जहां जो मिला उसी में संतुष्ट रहकर आगे बढ़ते गए। श्रीराम हर कार्य सोच-समझकर और पूर्व नियोजन के साथ करते थे। माता सीता को वापस लाने के लिए उन्होंने समुद्र पार करने हेतु रामसेतु का निर्माण कराया, जो उनके रणनीतिक कौशल को दर्शाता है। भगवान राम ने अपने वनवास काल में अनेक जनजातीय और वनवासी समुदायों के जीवन में सुधार लाने का प्रयास किया। शबरी, केवट और अहिल्या जैसे प्रसंग उनके करुणा और सेवा भाव को दर्शाते हैं।

ऐसे लोगों से कभी न करें दुश्मनी

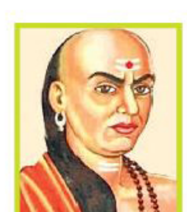

संकलित

प्रेरणा

आचार्य चाणक्य के अनुसार राजा और सत्ताधारी या शक्तिशाली व्यक्ति से शत्रुता नहीं करनी चाहिए। आधुनिक संदर्भ में देखा जाए तो बड़े राजनीतिक नेताओं या प्रशासन से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अनबन करने से गंभीर नुकसान हो सकता है, क्योंकि जिनके पास अधिकार होते हैं, वे परिस्थितियों को अपने अनुरूप मोड़ सकते हैं। चाणक्य नीति के अनुसार धनवान व्यक्ति से शत्रुता करना भी अपने लिए नुकसानदायक होता है। धन से व्यक्ति की शक्ति बढ़ती है और इससे वह दूसरों पर अधिक हावी होने की क्षमता रखता है। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि शारीरिक या मानसिक रूप से बलवान व्यक्ति से टकराव मोल लेना हानिकारक हो सकता है। ऐसा व्यक्ति अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इसलिए ऐसे लोगों से हमेशा दूरी बनाए रखनी चाहिए। धन और बल में श्रेष्ठ व्यक्ति से शत्रुता करना अनावश्यक संकट को आमंत्रित करने जैसा है। चाणक्य की इन नीतियों का अनुसरण कर व्यक्ति अपने जीवन को सुरक्षित और सफल बना सकता है। उनके विचारों को समझना और व्यवहार में लाना, जीवन में संतुलन और समृद्धि लाने में सहायक हो सकता है।

अंतर्मन

आज की पाती

दमघोंटू हवा के लिए जिम्मेदार कौन?

हमारा देश जो सारी दुनिया में प्रकृति प्रधान और शस्य श्यामला वसुंधरा के सौंदर्य से प्रसिद्ध है, उसकी छवि को हमने अपने स्वार्थ के लिए प्रदूषण बढ़ाकर खराब करने का काम किया है। माना कि सरकारों की गलत नीतियां प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं, लेकिन क्या हम खुद प्रदूषण से होने वाले नुकसान को ध्यान में रखते हुए इसकी रोकथाम के लिए कुछ प्रयास नहीं कर सकते? अगर हमने स्वार्थी होकर पर्यावरण को संभालने के लिए अभी भी गंभीरता नहीं दिखाई और हवा में प्रदूषण फैलाने वाले गलत कामों पर पाबंदी नहीं लगाई तो वो दिन दूर नहीं है जब हमारा सांस लेना मुश्किल ही नहीं, बल्कि नामुमकिन हो जाएगा। कुदरत ने तो हमें साफ-सुथरी हवा सांस लेने के लिए दी थी, लेकिन हमने अपने स्वार्थ के लिए इसमें जहर घोलकर इसे दमघोंटू बना लिया है। इस पर रोक लगनी चाहिए।

-विजय कुमार सेन

ट्रेंड

पर्यावरण संरक्षण

इस पृथ्वी दिवस पर, आइए हम स्वच्छ, हरित और टिकाऊ दिल्ली के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। हम जलवायु जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

हर बच्चे को शिक्षा

जब तक हर छात्र को बिना भेदभाव के सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हमारी शिक्षा व्यवस्था सभी के लिए न्यायपूर्ण नहीं हो सकती। कांग्रेस पार्टी हर बच्चे को शिक्षा तक समान पहुंच दिलाने और जातीय भेदभाव को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

थोरियम से बनाएं बिजली

आने वाले दिनों में, भारत में बिजली का सबसे ज्यादा कन्जम्पशन होगा। सबको सस्ती बिजली चाहिए। ईश्वर ने हमें न्यूक्लियर पॉवर का ईंधन, "थोरियम", बहुत बड़ी मात्रा में दिया है। थोरियम को यूज करके सस्ती बिजली बन सकती है। ये छोटे रिएक्टर जगह भी कम लेते हैं।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

माफी मांगता हूं

मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। मैं तहेदिल से माफी मांगता हूं, इस समाज से जिनको मैं ये नहीं कहना चाह रहा था।

-अनुराग कश्यप, फिल्मकार

करंट अफेयर

व्यापार के लिए 'उत्पत्ति के प्रमाण' को किया परिभाषित

सरकार ने कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने और व्यापार समझौतों के दुरुपयोग को रोकने के लिए 'उत्पत्ति के प्रमाण' को परिभाषित किया।

आयातकों को शुल्क रियायतें पाने के लिए एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) भागीदार से किसी उत्पाद का प्रमाण या उत्पत्ति का प्रमाण पत्र लेना होगा। राजस्व विभाग के परिपत्र के अनुसार, उत्पत्ति के प्रमाण का अर्थ है कि व्यापार समझौते के अनुसार जारी किया गया प्रमाण पत्र या घोषणा, जिससे यह प्रमाणित होता है कि माल उत्पत्ति के देश के मानदंडों को पूरा करता है। उत्पत्ति का प्रमाण पत्र उन देशों को निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिनके साथ भारत के व्यापार समझौते हैं। एक निर्यातक को आयात करने वाले देश के बंदरगाह पर प्रमाण पत्र जमा करना होता है। मुक्त व्यापार समझौतों के तहत शुल्क रियायतों का दावा करने के लिए यह दस्तावेज महत्वपूर्ण है। इस प्रमाण पत्र से यह पता चलता है कि माल मूल रूप से कहां से आया है। इस कदम पर टिप्पणी करते हुए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि सीमा शुल्क परिपत्र के जरिये मूल प्रमाण पत्र की प्रामाणिकता को साबित करने के लिए अच्छी तरह परिभाषित तंत्र और एक मानक संचालन प्रक्रिया तय की गई है।

ऑफ बीट

वृद्धों को अस्पताल में भर्ती होने 45 किमी तक की यात्रा

भारत में वृद्धों को बाह्य-रोगी सेवाओं के लिए 15 किलोमीटर तक की यात्रा करनी पड़ सकती है तथा अस्पताल में भर्ती होने के लिए लगभग 45

किलोमीटर दूर तक जाना पड़ सकता है। यह जानकारी एक नए शोध से मिली है। 'द लांसेट रीजनल हेल्थ-साउथ ईस्ट एशिया' जर्नल में प्रकाशित अनुमानों में शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में असमानता भी दिखाई गई है। इसके मुताबिक, शहरी बुजुर्गों को 10 किलोमीटर की दूरी के भीतर बाह्य-रोगी सुविधाएं मिल जाती हैं, जबकि ग्रामीण इलाकों में रहने वाले वृद्धों के लिए यह दूरी लगभग 30 किलोमीटर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के शोधकर्ताओं ने 2017-2018 में भारत के अनुदैर्ध्य आयु अध्ययन (एलएएसआई) की पहली लहर के दौरान एकत्र किए गए 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 32,000 वृद्धों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। भारत में करीब 13.8 करोड़ बुजुर्ग हैं। जब स्वास्थ्य सुविधाएं 10 किलोमीटर के दायरे में उपलब्ध थी तो बाह्य-रोगी और अस्पताल में भर्ती होने, दोनों प्रकार की सेवाओं का इस्तेमाल करने की दरें उच्च थी, जो क्रमश: 73 प्रतिशत और 40 फीसदी थी।

पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ़ इंडिया ने मनाया राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस

-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उत्तरदायी उपयोग: जनसंपर्क की भूमिका पर हुई चर्चा

जयपुर। पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ़ इंडिया (पी आर एस आई) जयपुर चैप्टर की ओर से सोमवार को जयपुर के एक होटल में राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य वक्ता सुविख्यात सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ अजय डाटा थे। पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष वीरेंद्र पारीक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस की बधाई दी तथा संस्था की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी साझा की। राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस की इस वर्ष की थीम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उत्तरदायी उपयोग: जनसंपर्क की भूमिका के परिप्रेक्ष्य में रखी गई। कार्यक्रम में पीआरएसआई जयपुर चैप्टर के संरक्षक गोविंद पारीक ने पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ़ इंडिया का इतिहास विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से विश्वसनीयता का संकट उत्पन्न हो गया है, उसको चुनौती समझकर जन चेतना जागृत करना हमारा उत्तरदायित्व है। प्रो. देवस्वरूप ने राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि परिवर्तन से हम अपने आपको अलग नहीं कर सकते। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती हुई भूमिका से रचनात्मकता को बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।समारोह में अजय डाटा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के स्वरूप को विस्तार से बताते हुए कहा कि चिंता तकनीक की नहीं, उसकी गति की है। यह बहुत तेजी से हमारे जीवन को बदल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रूप में हमारे पास एक ऐसी तकनीक आई है जो मशीन को सोचने और लिखने की शक्ति देता है। पहले यह ताकत सिर्फ इंसान के पास थी। हमें इसे चुनौती के रूप में लेना है और इससे बेहतर उपयोग कैसे करें, इस पर काम करना है। जयपुर चैप्टर की उपाध्यक्ष कविता जोशी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर जनसंपर्क और जनसंचार क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं अनुकरणीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसमें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड रामस्वरूप जोशी तथा डॉ. महेंद्र मधु को तथा जनसंपर्क अलंकरण सम्मान पूर्व अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना को दिया गया। जनसंपर्क उत्कृष्ट सम्मान देवेंद्र शर्मा, राधेश्याम कोली, गोविंद शर्मा, धर्मिता चौधरी, चंद्रशेखर पारीक को दिया गया। कार्यक्रम में समाज सेवा सम्मान से प्रहलाद कुमार गुप्ता, जनसंपर्क ऊर्जावान सम्मान से मनीष हूजा, सुरेन्द्र सिंह हरसाना, विशिष्ट उपलब्धि सम्मान से रामफूल गुर्जर, प्रभात गोस्वामी, मुरारी गुप्ता तथा गुरजंट सिंह को सम्मानित किया गया। डॉ. आस्था सक्सेना, डॉ. गरिमा कपूर, डॉ. ऋचा यादव को जनसंपर्क जनसंचार शिक्षण विशिष्टता सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रशेखर पारीक ने किया। पत्रकारिता एवं जनसंचार में जयपुर की दीपाली बारहठ एवं कृष्णप्रिया को जनसंपर्क उदयमान प्रतिभा सम्मान दिया गया।

खानुआ में वीर शहीदों के वंशजों का पहली बार किया गया सम्मान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भरतपुर जिले के खानुआ स्थित ऐतिहासिक युद्ध स्मारक स्थल पर राजस्थान धरोहर प्राधिकरण संरक्षण की ओर से मंगलवार को पहली बार शहीदों को श्रृद्धांजलि एवं महाराणा सांगा एवं बाबर के मध्य हुये युद्ध में शहीद हुये राजा-महाराजाओं के वंशजों का सम्मान समारोह गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया जिसमें देशभर से वीर शहीदों के वंशज उपस्थित हुये।

गृह राज्य मंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि महाराणा सांगा ने देश, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिये भारतवर्ष के सभी राजा-महाराजाओं को एक करते हुये खानुआ के युद्ध में अदम्य साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा ने 100 युद्ध लड़े जिनमें से 99 में विजय प्राप्त की तथा खातौली, बयाना के युद्धों में विदेशी आक्रांताओं को धूल चटाने का कार्य किया था। महाराणा सांगा की वीरता, अदम्य साहस एवं युद्ध कौशल का तत्कालीन समय में सभी विदेशी हमलावर लोहा मानते थे। उन्होंने कहा कि खानुआ का युद्ध भारत एवं विदेशी आक्रांताओं के बीच महत्वपूर्ण घटना थी, इस युद्ध का विश्व पटल पर प्रभाव पडा था। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा के नेतृत्व में सभी जाति-धर्म के योद्धाओं ने युद्ध में भाग लेकर विदेशी आक्रांताओं का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा आज भी भारत के प्रत्येक युवा के लिये प्रेरणा स्रोत व सम्मानीय हैं। आने वाली पीढियां पूरे आदरभाव के साथ खानुआ युद्ध में भाग लेने वाले शहीदों की ऋणी रहेंगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खानुआ युद्ध स्मारक के विकास के लिये 3 करोड़ रूपये की अतिरिक्त स्वीकृति जारी की है इससे सम्पूर्ण क्षेत्र का विकास कर डिजिटल तकनीकी के साथ युवाओं को प्रेरणादायक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा। इससे पूर्व उन्होंने महाराणा सांगा एवं युद्ध में शहीद हुये वीरों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया तथा खानुआ के युद्ध स्थल पर बने द्वार का फीता काटकर उद्घाटन किया।

लखावत ने कहा कि खानुआ का युद्ध 1527 में लड़ा गया था जिसमें महाराणा सांगा के नेतृत्व में देशभर के राजा-महाराजाओं ने भाग लेकर देश-धर्म की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहुतियां दी थी। उन्होंने कहा कि हिन्दस्तान में अनेक विदेशी आक्रांता आये लेकिन हमारे वीर योद्धाओं के अदम्य साहस के कारण लम्बे समय तक देश को गुलाम नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि महाराणा सांगा के वैचारिक एवं शारीरिक वंशज आज भी जीवित हैं कोई भी देश को गुलाम नहीं कर सकता, हमारी विशेषता रही है कि संकट की स्थिति में एक साथ खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों के संरक्षण के लिये लगातार कार्य कर रही है जिससे आने वाली पीढियों को ऐसे शौर्य स्थलों से देश की सुरक्षा की प्रेरणा मिलती रहे। उन्होंने खानुआ युद्ध में भाग लेने वाले वीर शहीदों के वंशजों को पहली बार मंच पर एक साथ सम्मान को ऐतिहासिक पल बताते हुये कहा कि अब इस स्मारक पर प्रत्येक शहीद के नाम पर कार्यक्रम किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि खानुआ में वर्षभर पर्यटक एवं देश के युवा आयें, इसके लिये वार्षिक प्लान बनाया जायेगा तथा वर्ष में एक बार राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित की जायेगी।

भीषण गर्मी में बेज़ुबानों के लिए रहमत बना एक परिवार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जब तपती धूप में इंसानों का जीना मुश्किल हो जाए, तब ज़रा सोचिए उन परिंदों का क्या हाल होता होगा जो ज़ुबान भी नहीं खोल सकते। मगर निसार ख़ान और उनके परिवार ने इस खामोश तक़लीफ़ को महसूस किया और एक बड़ी मिसाल पेश की। ब्रह्मपुरी के पठानों का चौक निवासी निसार ख़ान और उनके परिवारवालों ने मिलकर शहर के अलग-अलग धार्मिक स्थलों और पार्कों में भीषण गर्मी को देखते हुए 51 परिंडे (पानी के बर्तन) बांधे, ताकि प्यासे परिंदों को राहत मिल सके। साथ ही, उन्होंने मोहल्ले और इलाक़े के लोगों से भी अपील की कि वे आगे आएं और अपने-अपने घरों के बाहर, बालकनी या पेड़ों पर परिंडे बांधें। ये कोई पहला मौका नहीं है जब निसार ख़ान का परिवार इस तरह की समाजसेवा में लगा हो। वो कई सालों से बेज़ुबानों की मदद और फ़लाह-ओ-बहबूद के कामों में सक्रिय हैं।

जयसिंहपुरा में 20 जेडीए क्वाटर्स को क जा-अतिक्रमण मुक्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-11 में ग्राम जयसिंहपुरा में 20 जेडीए क्वाटर्स को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया जोन-11 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम जयसिंहपुरा में 20 जेडीए क्वाटर्स में स्थानीय लोगों द्वारा कब्जा-अतिक्रमण कर रहा था जिसकी सूचना प्राप्त होने पर आज उपायुक्त जोन-11 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा मौके पर पहुँच कर जेडीए क्वाटर्स को खाली करवाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया जाकर कब्जा राज लिया गया।

उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्ष चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-11 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

मानसून से पूर्व तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

- डीएलपी के तहत क्षतिग्रस्त सडकों को किया जायेगा दुरस्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में मानसून से पूर्व तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में निदेषक अभियांत्रिकी द्वितीय अजय गर्ग सहित संबंधित अभियंतागण उपस्थित रहे। बैठक में वर्षा से उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई, जिसमें क्षतिग्रस्त सडकों को डीएलपी के अंतर्गत 31 मई, 2025 तक दुरस्त/मरम्मत करवाने के निर्देष दिये गये।

जेडीसी ने बताया गया कि जेडीए द्वारा आमजन की सुविधार्थ वर्षा ऋतु के दौरान जल भराव एवं अन्य समस्याओं के समाधान हेतु मानसून से पूर्व ही अभियंताओं द्वारा अपने-अपने जोन का भ्रमण कर क्षतिग्रस्त सडकों एवं गड्ढों इत्यादि की मरम्मत डीएलपी के तहत किये जाने हेतु निर्देष दिये है। जेडीसी ने बताया कि वर्तमान में प्रगतिरत सडकों का समस्त कार्य वर्षा से पूर्व ही करवाने हेतु निर्देष दिये गये है। जिससे आमजन को वर्षा के समय होने वाली समस्याओं से जूझना नहीं होगा। आमजन की सुविधा को देखते हुए जेडीए द्वारा माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं नगरीय विकास मंत्री महोदय के निर्देषन एवं नेतृत्व में कार्य किया जा रहा है।

बैठक में जोन-5 से पीआरएन दक्षिण तथा पीएचई, विद्त जोन में प्रगतिरत कार्यो, पूर्ण हो चुके कार्यो एवं स्वीकृत कार्यो की समीक्षा की गई। सभी अभियंताओं को निर्देषित किया गया है कि अपने-अपने जोन में समस्त प्रकृति के कार्यो को वषाऋतु से पूर्ण का प्रयास करें। जिससे आमजन को वर्षाऋतु के दौरान बेहतर सुविधाएं प्राप्त हो सके।

इसके साथ ही जेडीसी ने उद्यानिकी शाखा के अधिकारियों को निर्देष दिये कि उद्यान/पार्क विकसित करने हेतु आरक्षित की जाने वाली भूमि की प्रक्रिया के समानांतर ही उद्यान/पार्क विकसित करने हेतु निविदाएं भी आमंत्रित किये जाने की कार्यवाही अमल में लाई जावें। जिससे उद्यान/पार्क कम अवधि में ही विकसित हो सके, जिससे आमजन अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित हो।

ईडी की कार्यवाही के खिलाफ जयपुर में युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन कर गिरफ्तारी दी

जयपुर.(रॉयल पत्रिका) केंद्र कि मोदी सरकार द्वारा कांग्रेस नेता व पार्टी कि पूर्व अध्यक्षा सोनिया गाँधी व नेता प्रतिपक्ष लोकसभा राहुल गाँधी पर द्वेषता पूर्वक तानाशाही रवैया अपनाते हुए कार्यवाही करने के खिलाफ जयपुर में शनिवार को राजस्थान युवक कांग्रेस द्वारा आयोजित ED ऑफिस का घेराव किया गया। युवा कांग्रेस के कोटा शहर जिला अध्यक्ष मुईजुद्दीन गुड् ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष सुधीन्द्र मूंड के नेतृत्व में व राष्ट्रीय महासचिव प्रदेश प्रभारी मनीष चौधरी के निर्देशन में किया गया जिसमे कोटा संभाग प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुल्हरिया संघटन प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष अरबाब खान व पूर्व राज्य मंत्री प्रदेश उपाध्यक्ष सतवीर चौधरी व ज़िला अध्यक्ष साथियों युवक कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ अशोक नगर थाने में गिरफ्तारी दी।

पूज्य सिंधी पंचायत सेक्टर 19 प्रताप नगर में नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के प्रताप नगर सेक्टर 19 में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही पूज्य सिंधी पंचायत की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें गौरव आहूजा अध्यक्ष, सुरेश लखपतानी महासचिव, दीपक धनवानी कोषाध्यक्ष, नरेश केवलानी उपाध्यक्ष और अरुण गंगवानी को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में साध्वी तरुणा दीदी द्वारा सत्संग किया गया एवं भजनों द्वारा उपस्थित लोगों के दिल को आनंदित कर दिया। इस हर्षोल्लाह के माहौल में उपस्थित लोगों ने साध्वी जी के वचनों से प्रेरणा प्राप्त की। इस कार्यक्रम में प्रताप नगर के अध्यक्ष वासुदेव हासनानी, पूज्य सिंधी पंचायत सेक्टर 17 प्रताप नगर के अध्यक्ष गुलाब कोरानी, चेटीचंड मेला समिति 2025 के कोषाध्यक्ष दीपक दुलानी, दौलत सरनानी मातृशक्ति प्रताप नगर की कुसुम कोमल, निशा, रिया , निशिका, तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया। नई कार्यकारणी को सभी लोगों ने बधाई दी और उपस्थित लोगों ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की और आशा ही नहीं बल्कि विश्वास व्यक्त किया कि वह समाज के उत्थान के लिए उत्कर्ष कार्य करेंगे।

आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता - भजनलाल शर्मा

- सुगमता से विद्युत कनेक्शन तथा जीएसएस के बेहतर रखरखाव के लिए ऐप लॉन्च

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के कार्मिकों एवं उन पर आश्रित परिवारजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। हमने कार्मिकों को सुरक्षित भविष्य देने और उनके कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऊर्जा तंत्र को सुदृढ़ बनाना तथा आमजन को निर्बाध विद्त आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भारतीय स्टेट बैंक और विद्त निगमों के बीच एमओयू आदान-प्रदान तथा ऐप लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 8 करोड़ प्रदेशवासियों को सुशासन देने में राज्य कर्मचारी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। विकसित और खुशहाल राजस्थान के लक्ष्य के लिए कार्मिक समर्पण एवं सेवाभाव के साथ कार्य कर रहे हैं। इसलिए ये महत्वपूर्ण एमओयू कार्मिकों को सुरक्षित भविष्य देने के राज्य सरकार के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक सिद्ध होंगे।

57 हजार बिजली कार्मिकों को मिलेगा एक करोड़ रूपए तक का बीमा कवर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बिजली कंपनियों में करीब 57 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। विद्त उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक सतत् एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन कंपनियों के तकनीकी कर्मचारी दिन-रात जोखिम भरी परिस्थितियों में कार्य करते हैं। विद्त कार्य करते समय वे कई बार दुर्भाग्य से हादसे के शिकार हो जाते हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में विकलांगता एवं अशक्तता के के साथ ही असमय ही जान तक चली जाती है, जिसके लिए वर्तमान में अधिकतम क्षतिपूर्ति 20 लाख रुपये तक मुहैया करवाई जा रही है।

शर्मा ने कहा कि आज हमने जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्त वितरण कंपनियों, राजस्थान विद्त प्रसारण निगम तथा राजस्थान विद्त उत्पादन निगम लिमिटेड में कार्यरत सभी विद्तकर्मियों को बीमा उपलब्ध कराने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इन एमओयू के तहत विद्तकर्मियों की व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी निशक्तता की स्थिति में एक करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा उपलब्ध होगा। वहीं आंशिक रूप से अशक्तता की स्थिति में 80 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 10 लाख रुपये के सामूहिक सावधि जीवन बीमा के साथ ही अन्य आर्थिक सहायता एवं सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

राज्य सरकार पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त वित्तीय भार

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन एमओयू से राज्य सरकार अथवा ऊर्जा कंपनियों पर बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय भार के कर्मचारियों एवं उन पर आश्रित परिवारजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा और मजबूत हो सकेगी। बैंक द्वारा न तो ऊर्जा कंपनियों से और न ही कर्मचारियों से कोई राशि ली जाएगी। इस बीमा का प्रीमियम एसबीआई स्वयं वहन करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल भारत की संकल्पना को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में विद्त वितरण कंपनियों द्वारा जेईएन साइट वेरीफिकेशन और ऐस्टीमेशन मोबाइल एप्लीकेशन तथा सब स्टेशन मॉनिटरिंग एप्लीकेशन भी लॉन्च किए। उन्होंने कहा कि इससे पेपरलेस सिस्टम को बढ़ावा मिलने के साथ ही यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की डिजिटल भारत की संकल्पना को भी मजबूती मिलेगी। शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार जनसेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है और हम आगे भी प्रदेश के चहुंमुखी विकास और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती का 5 दिवसीय वार्षिक मेला गुदड़ी मेले के साथ मे सम्पन्न

मनोहरपुर,(रॉयल पत्रिका)। ताला ग्राम पंचायत की ऊंची डूँगरी पर विराजमान हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह का पांच दिवसीय वार्षिक मेला 21 अप्रेल सोमवार को गुदड़ी मेले के साथ मे सम्पन्न हो गया।

ग्राम पंचायत ताला के सरपंच अमीर खान शेख़, हाजी अब्दुल शकूर खान शेख, पूर्व सरपंच फखरुद्दीन खान शेख, हाजी फखरुद्दीन टिकाई, हामिद खान नला वाला, पप्पू खान शेख नला वाला, निजाम खान शेख, गफ्फार खान टिकाई, सिराजुद्दीन खान शेख सामली गाड़ी आदि ने बताया कि 17 अप्रैल गुरुवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय सालाना मेले का आगाज दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ हुआ था।

दरगाह के खादिमान ने बताया कि 17 अप्रैल को पहाडग़ंज जयपुर व भीलवाड़ा से आने वाले जायरीनों का जत्था बाण गंगा नदी पुलिया पर शाम 5 बजे असर की नमाज़ अदा कर जुलूस के रूप में दरगाह पहुंचें इसके बाद वहां बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ मेले का आगाज हुआ। उर्स की व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी सतर्क थे।

दरगाह के खादिमानो ने बताया कि 18 अप्रेल शुक्रवार को जुम्मे की नमाज पढ़ी गई रात्रि 9 बजे बाद शाम को मिलाद शरीफ तकरीर व राजस्थान की प्रसिद्द कव्वाल पार्टियों द्वारा महफ़िल ए शमा का आयोजन हुआ जिसमें सम्पूर्ण रात्रि तक बाबा की मान मनुहार की गई।

इसी प्रकार 19 अप्रैल शनिवार को रंग बिरंगे कपड़ो में सज संवर कर विभिन्न वाहनों में सवार होकर बाबा के गीत गाते हुए हिन्द मुस्लिम जायरीनों के जत्थे आएं इसके बाद चावल व दाल की किंदूरी बनाकर बाबा के पेश करें।

ईशा की नमाज के बाद में मिलाद ए पाक हुई इसके बाद में रात्रि 11 बजे बाद में महफ़िल ए शमा हुई इसमे भारत देश की मशहूर कव्वाल पार्टियों द्वारा बाबा की मान मनुहार की गई।

इसी प्रकार 20 अप्रेल रविवार को सुबह 11 बजे सामूहिक कव्वाल पार्टियों द्वारा कूल की रस्म की अदायगी हुई इसी के साथ मे शहरी मेला सम्पन हुआ! इसके बाद चद्दर गलेफ इत्र अगरबती फूल चढ़ाने की रस्म हुई इसी के साथ जात जडूले की रस्म की अदायगी हुई इसी प्रकार मंत्री से लेकर सन्तरी तक बाबा के दरबार मे हाजरी दिए।

सोमवार को गुदड़ी मेला भरा जिसमे हिन्द मुस्लिम जायरिनों ने सालभर का सामान खरीदकर झूले का आनन्द लिया इसके बाद में सगाईया भी हुई।

सराहनीय कार्य करने वाले यूनानी चिकित्सको की टीम, पुलिस महकमे की पूरी टीम विद्त विभाग की पूरी टीम पत्रकारों में पत्रकार जाफ़र लोहांनी पत्रकार मोहम्मद फरमान पठान मोहसिन खान बुन्द लौहार सहित अन्य लोगो की दस्तारबंदी की गई।

मेले में भाजपा सांसद जयपुर ग्रामीण राव राजेन्द्र सिंह और जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्र पाल मीणा की ओर से पूर्व सरपंच फकरुद्दीन शेख व जमील खान चोहान सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाबा के चादर चढ़ाई।

जयपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष गोपाल मीणा, एएसपी ब्रजमोहन मीना, जमवारामगढ़ डिप्टी सुगन सिंह, साइबर सेल डिप्टी खलील अहमद, रायसर थानाधिकारी रघुवीर सिंह, चंदवाजी थानाधिकारी हीरालाल, ताला चौकी प्रभारी सतेन्द्र, ताला नायब तहसीलदार अमित कुमार, विद्त निगम एईएन नरेन्द्र धाकड़, जेईएन सहित जनप्रतिनिधियों ने बाबा के दर पर चादर चढ़ाई।

हिन्द समाज ने बढ़ाया भाईचारे का हाथ

ताला में दिखाई दी हिंदू मुस्लिम भाईचारे की मिसाल हिन्द समाज के लोगों ने मेले में शरबत और ठंडे पानी की प्याऊ लगाकर जायरीन की सेवा की। यह आपसी सौहार्द और हिन्द-मुस्लिम एकता का अनूठा उदाहरण बना। सोमवार को ताला सरपंच अमीर खान, पूर्व सरपंच अन्नू खान, कांग्रेस नेता एफ डी खान, अन्नू टिकाई, फकरुदीन टिकाई, हाजी लतीफ, हाजी इशाक, सिराजुद्दीन, पूर्व सरपंच फकरुद्दीन, अब्दुल इस्लाम सहित जनप्रतिनिधियों ने दरगाह शरीफ के आस्ताना पर चादर चढ़ाई। गुदड़ी के मेले के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग आपस में बच्चों के रिश्ते तय करते हैं। मेले के दौरान रायसर थाना प्रभारी रघुवीर सिंह के नेतृत्व में चंदवाजी, आंधी, मनोहरपुर, जमवारामगढ़ सहित अन्य जयपुर ग्रामीण थानों के पुलिसकर्मी तैनात रहे।

इरादे रोज बनकर टूट जाते है, ताला में वो ही आते है जिन्हें बाबा बुर्रहान बुलाते हैं - नाथू लाल सैनी

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। नाथू लाल सैनी अध्यक्ष कॉंग्रेस कमेटी शाहपुरा ब्लॉक (बी) ने शायराने अंदाज में कहा कि "इरादे रोज बनकर टूट जाते है, ताला में वो ही आते है जिन्हें बाबा बुर्रहान बुलाते हैं"। यह शब्द सैनी ने ताला में हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह आलेह के चल रहे मेले में शिरकत करने के बाद में कहे।सैनी ने कहा कि वली खुदा के दोस्त होते है जब ये किसी के हक़ में दुआएं करते है तो ख़ुदा ए पाक तुरन्त कबूल कर लेते है, इसीलिए जायरीनों का कहना है कि हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह की दुआ से कामयाबी कदम चूमती है। सैनी ने कहा कि यही कारण है कि भारत के कोने - कोने से अकीदतमन्द बाबा के यहां पर आकर हाजरी दे रहे हैं जिधर भी देखो उधर ही बाबा के दीवाने हाथों में झंडा और लबों पर बाबा के नारे लगाते हुए आरहे है इनका स्वागत हिन्द मुस्लिम सभी कर रहे है ठंडे पानी की प्याऊ व शर्बत की स्टाल लगाकर और पुष्पवर्षा करके सवागत कर रहे है। सैनी ने कहा कि जब भी कोई जायरीन मुसीबत में होता है और वह हजरत बाबा बुर्रहानुद्दीन चिश्ती को याद करता है तो बाबा उसकी तुरंत मदद करते हैं। सैनी ने बाबा के चादर चढ़ाई व फातेहा पढ़कर भारत देश की सलामती व अमन चैन की दुआएं मांगी।

दरगाह के खादिमान ने सैनी के आने की ख़ुशी को जाहिर किया इस पर सैनी को चाहने वालो की भीड़ लग गई इसके बाद में सैनी की बेहतरीन तरीके से दस्तारबंदी की गई।

भाजपा कि एजेंसी के रूप में काम करना बंद करें ईडी व सीबीआई : मोइज़उद्दीन गुड्डू

-दिल्ली घेराव में बड़ी संख्या में शामिल होंगे कोटा संभाग के युवा कांग्रेस कार्यकर्ता

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। युवा कांग्रेस कोटा संभाग कि बैठक मंगलवार को गुमानपुरा कांग्रेस कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसमे मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी अशोक कुल्हरिया उपस्थित रहे। जिसमे कोटा, बारां, बूँदी झालावाड़ के ज़िला अध्यक्ष व कार्यकारिणी विधानसभा अध्यक्ष व कार्यकारिणी, प्रदेश समन्वयक पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिसमे 25 अप्रैल शुक्रवार को दिल्ली में ईडी के खिलाफ होने वाले विशाल प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर जिम्मेदारी बांटी गई युवा कांग्रेस के कोटा शहर जिलाध्यक्ष मुईजुद्दीन गुड् ने कहा कि जिस प्रकार से ईडी व सीबीआई कांग्रेस नेताओं को प्रताड़ित कर रही है। सरकारी संस्थाओ व एजेंसियों का भी दुरूपयोग करके अपनी विफलताओं को छुपाना चाहती है वहीं जनता से किए वादे व मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने का काम कर रही है। युवा कांग्रेस इस तानाशाही रवैया को सहन नहीं करेगी जनता से किए वादे व घोषणा पत्र के लिए वादों को लागू कराने व वादा खिलाफ़ी करने पर भाजपा कि राज्य व केंद्र कि सरकार कि ईंट से ईंट बजाने का काम करेंगे जिस प्रकार विदेशो से विशेष कर अमेरिका व अन्य देशों से युवाओं को हाथकड़िया लगा कर पहुँचाया जा रहा है। भीषण गर्मी में लोगों को पयजल व बिजली उपलब्ध नहीं करा पाना बड़ी विफलता रही है।वही युवा कांग्रेस के आगामी समय में आने वाले कार्यक्रमों व रणनीति के बारे में चर्चा हुई जिसमे मुख्य रूप कोटा शहर प्रभारी शुभम गोचर, बूँदी प्रभारी साहिल नक़वी, कोटा ग्रामीण प्रभारी गिर्राज धाकड़, देहात अध्यक्ष विजय प्रताप, प्रदेश सचिव एड. राजेश कुमार, यासीन कुरैशी, इक़बाल खान यश, मोहम्मद जुबेर, समर्थ व्यास, कुणाल शर्मा ज़िला समन्वयक आमीन रंगरेज़, विधनसभा अध्यक्ष मनीष पारेता, अरशद कुरैशी, कृष्णा सिंगोर बूँदी विधनसभा अध्यक्ष, प्रवक्ता स्वप्निल शर्मा, आशीष गुर्जर, अंकित पांचाल, मनाज़ीर अली व अन्य सेंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर पाली के परिंदो के लिए 'परिंडा अभियान का चंडावल में हुआ आयोजन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिले के परिंदो के लिए 'परिंडा अभियान' जिला कलक्टर एल.एन.मंत्री के द्वारा अभिनव पहल के साथ परिंदो के लिए पानी की व्यवस्था एवं आमजन को जागरूक कर इस मुहिम में शामिल करने के उद्देश्य से जनसेवा सद्भावना समिति पाली के बैनर तले आज मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चण्डावल नगर में 1111 परिंडा वितरण करने का कार्यक्रम का आयोजन समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर एल.एन. मंत्री एवं अतिरिक्त संभागीय आयुक्त अजमेर श्रीमती दीप्ति शर्मा के सानिध्य में रंग बिरंगे कलाकृति परिंडों का वितरण किया गया जिसके तहत चण्डावल नगर ग्राम पंचायत में परिंदो के पानी पीने की समुचित व्यवस्था के लिए लगाए जाएंगे।

परिंडा अभियान चण्डावल नगर में कार्यक्रम की शुरूआत में अशोक चौहान सूरज की गर्मी की किरणों से राहत प्रदान करने द्वारा रचित गीत प्रस्तुत किया गया एवं नारायण लाल बालवंशी के द्वारा विभिन्न कलाकृतियों के द्वारा बनाये गये परिंडों का लोकार्पण अतिथियों के द्वारा किया गया। परिंडों पर उकेरी गई कलाकृति को देखकर जिला कलक्टर सहित सभी अतिथियों ने भूरी भूरी प्रशंसा की गई। पृथ्वी दिवस पर जिला कलक्टर के द्वारा पेड़ पर परिंडा भी बांधा गया एवं श्रीमती दीप्ति शर्मा द्वारा इस अवसर पर पौधा रोपण किया गया।

वितरण समारोह के मुख्य आतिथ्य के रूप में सम्बोधित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि परिंडा प्रारंभ का शुभांरभ राजेश्वर भगवान नया चेण्डा से की गई

और मंगलवार को वासुदेव की नगरी चण्डावल करने पर अपने आप को बहुत ही भाग्यशाली अनुभव कर रहा हूं साथ ही परिंडा अभियान के साथ-साथ परिंदों के अलावा पशुओं के लिए भी आवाला भरकर पानी की समुचित व्यवस्था की जाए ताकि इस तेज गर्मी में पशु-पक्षी प्यासे नहीं रहें। साथ ही समारोह में स्वागत् रस्म में माला साफा एवं मौमेंटों के स्थान पर अतिथियों को परिंडा भेंट कर उनका मान सम्मान किया जाए।

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त अजमेर श्रीमती दीप्ति शर्मा ने बताया कि परिंडा अभियान की पहल परिंदो के प्रति एक पुण्य कार्य है और आज

इस वासुदेव की धर्म नगरी से पृथ्वी दिवस पर परिंदो के लिए परिंडा वितरण कर प्राकृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए एक अभिनव पहल है। मुझे इस पुण्य अवसर पर बुलाकर वितरण का जो कार्य करने पर यह मेरे लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन होगा।

सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे ला कर संगठन को मजबूत करे : प्रमोद भाया

-जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग की बैठक संपन्न

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां की बैठक मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय बारां पर संपन्न हुई। शहर अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी व जिला संगठन महामंत्री एडवोकेट हस्सान खान ने सयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम खान, प्रदेश अध्यक्ष आबिद कागजी ने भाग लिया, अध्यक्षता पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने की। कार्यक्रम की शुरुआत में आए हुए मेहमानों का पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, जिला अध्यक्ष शाहिद कुंडी, डीसीसी उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, पूर्व उपसभापति हाजी अब्दुल गनी वरिष्ठ नेता हाजी वहीद बर्तन वाले, शाहिद इकबाल भाटी, महिला जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, जिला महामंत्री हेमलता सोन आदि ने 51 किलो के फूल माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर इस्तकबाल किया। बैठक में प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम खान ने कहा की जिले में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए काम करें व विभाग में निष्क्रिय पदाधिकारीयों को तुरंत पद मुक्त कर व उनके स्थान पर सक्रिय में युवा पदाधिकारीयों को स्थान दें। प्रदेश अध्यक्ष आबिद कागजी ने मिलजुल कर संगठन में संगठित होकर काम करने व जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाने की निर्देश दिए। पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने अपने संबोधन में कहा कि राजस्थान में पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई किंतु आज राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा द्वेष पूर्ण राजनीति में अल्पसंख्यकों के लिए भेदभाव रखते हुए कार्य किया जा रहे हैं। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष के. के. सी. कांग्रेस रिजवान खान, प्रदेश महासचिव के. के. सी. कांग्रेस युनुस अगवान, किशनगंज ब्लॉक अध्यक्ष बबलू फल्दी, मांगरोल ब्लॉक अध्यक्ष अख्तर बख्तावर, शाहबाद ब्लॉक अध्यक्ष परवेज मंसूरी, हरनावदा शाहजी नगर अध्यक्ष सद्दाम मेव, जिला महामंत्री शेरू खान, अरबाज खान, छबड़ा नगर अध्यक्ष आदिल सालार गाजी, किशनगंज ब्लॉक अध्यक्ष अजीज नाजा, मांगरोल नगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर इजहार सीमा, पूर्व प्रदेश सचिव रईस फैजी, पूर्व वाईस चेयरमन असगर भाई, जाकिर हुसैन खिलजी, अशफाक कादरी, पार्षद अनवर अली पीटीआई, समीर खान बंटी, पार्षद परवेज खान, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज, रिंकू सूरमा, राजा फर्नीचर, रशीद लोढ़ी, फिरोज खान, जुनैद अंसारी, अल्फ़ेज़ पठान, अब्दूल कलाम, निसार खान, अनवर मास्टर, समाज सेवी शेख़ बहादुर, मुन्ना पठान, इशरत खान, मुन्ना मंसूरी, अकील शादाब, फिरोज भाई, वसीम खान, शरिक ठेकेदार, अब्दुल मजीद मदनी, शाकिर पठान, उमर मियां, अशफाक खान बालाखेड़ा सहित सेंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मोजूद रहे। अंत में आए हुए सभी कार्यकर्ताओं का जाकिर मंसूरी ने शुक्रिया अदा किया।

झुंझुनूं एकेडमी: विज़्डम सिटी में मनाया गया विश्व पृथ्वी-दिवस

- विद्यार्थियों ने ली पृथ्वी को हरा-भरा बनाने की शपथ

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। एकेडमी सी.बी.एस.ई. स्कूल में मंगलवार को विश्व पृथ्वी-दिवस मनाया गया एवं विज्डम सिटी कैम्पस में सभी स्टाफ मैम्बर्स तथा विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर स्कूल के मर्करी हाऊस द्वारा पर्यावरण विषयक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, सेव अर्थ कॉस्ट्यूम प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, सुविचार, हिन्दी एवं अंग्रेजी कविता, आर्टिकल, भाषण जैसे अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्रा अंशु, पलक, स्नेहा, वंशिका, यशस्वी, अनिशा, खुशी, अर्पित, मीरीन, दृष्टि, शनाया, तनिषा, पीहू, असाज, इशिता, अर्पिता, कनिका, नैनसी, दक्ष, चिरायु, हिमांक, वंश, दर्शिल, अलिजा एवं आशु ने पृथ्वी संरक्षण विषय पर शानदार पोस्टर बनाकर एवं सेव अर्थ कॉस्ट्यूम पहनकर अपनी कलात्मकता का परिचय देते हुए सभी से धरती बचाने का आह्वान किया। सभी प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को इनाम वितरित किए गए। इस क्रम मे पोस्टर मैंकिग प्रतियोगिता में अंशु व पलक ने प्रथम, स्नेहा ने द्वितीय, वंशिका ने तृतीय तथा सेव अर्थ कॉस्ट्यूम प्रतियोगिता में शनाया ने प्रथम, अलिजा ने द्वितीय तथा तनिषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त अन्य सभी प्रतिभागियों के रचनात्मक एवं कलात्मक कार्यों की भी खूब सराहना की गई।

कार्यक्रम के अगले चरण में स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी ने सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को धरती बचाने, पेड़ लगाने एवं पर्यावरण को हरा-भरा बनाए रखने की शपथ दिलाई। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि धरती, प्रकृति एवं मनुष्य का एक अद्त त्रिकोणीय संगम है। पेड़-पौधे, फल-फूल एवं अन्न जल से हमारा नाता अटूट है। धरती माँ का यह अनूठा उपहार हमारे जीवन के साथ जुड़ा है। माँ के पश्चात् यही एक रिश्ता है जो निःस्वार्थ भाव का है। अतः हम सबका इस माँ के प्रति यह दायित्व है कि इसको क्षति पहुँचाने वाली वस्तुओं का उपयोग न करें। जैसे पॉलीथीन, रासायनिक पदार्थ इत्यादि। आज प्रत्येक व्यक्ति अपनी आवश्यकता पूर्ति हेतु एवं दूसरों से आगे निकल जाने की हौड़ में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से धरती को हानि पहुँचा रहा है जिससे ऑक्सीजन की मात्रा कम होती जा रही है, कार्बन-डाईऑक्साइड बढ़ती जा रही है। यदि हम अपने संकल्पों के कुछ अंशो को भी क्रियान्वित करें तो धरती माँ निहाल हो सकती है एवं आने वली पीढियों को हम हरा-भरा वातावरण दे सकते हैं।

प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा ने सभी स्टाफ मैम्बर्स एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सब मिलकर यह संकल्प ले कि प्रतिवर्ष हम पाँच पौधे लगाऐंगे, प्रकृति का संरक्षण करेंगे तथा हरे पेड़ नहीं काटेंगे तभी हम धरती पर स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

कार्यक्रम में झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, डायरेक्टर गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, एडमिशन डायरेक्टर श्यामसुन्दर शर्मा, हेडमिस्ट्रेस उमा शर्मा एवं प्रशासक कमलेश कुलहरि एवं स्टाफ मैम्बर्स उपस्थित थे।

स्थानीय चिकित्सालय में गर्मी लू से बचाव के लिए किए गए पंपलेट का वितरण

-मरीजों ने गर्मी को हराने का लिया संकल्प

लाडनूं, (रॉयल पत्रिका)। स्थानीय राजकीय उप जिला चिकित्सालय में आज संबंधित चिकित्सालय के पीएमओ डॉक्टर चेनाराम चौधरी और चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय चिकित्सालय में इलाज के लिए दुर-दराज क्षेत्रों एंव शहरी क्षेत्र के सेकंडों उपस्थित मरीजों को प्रचण्ड गर्मी (लूं) से बचाव एंव उपचार से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी के संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी पम्पलेट फोल्डर का विमोचन कर मरीजों में वितरित कर मरीजों को जानकारी दी गई है।

चिकित्सालय के पीएमओ डॉक्टर चैनाराम चौधरी ने बताया कि निर्जलीकरण से बचें :- बार बार पानी पिये, घर से बाहर निकलने से पहले भरपेट पानी अवश्य पिये तथा अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें, भ्रमण के दौरान पानी साथ में रखें, हल्का व ताजा भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले मौसमी फल तरबूज, खींग, ककड़ी, खरबूजा, संतरा, अन्नानास, अंगुर का सेवन जरूर करे, नींबू पानी, लस्सी, छाछ, जलजीरा, आम का पना, दही, नारियल पानी, केरी का पानी आदी का सेवन जरूर करे।

लू तापघात का इनको सबसे ज्यादा खतरा :- नवजात शिशु, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, 65 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के व्यक्ति, गर्भवती महिलाएं, गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति, धूम में काम करने वाले श्रमिक और मजदूर।

घर पर रहे :- छायादार स्थान में रहे, खिड़कियों पर पर्दे आदी लगाए, पंखे, कूलर, ए.सी का उपयोग करें, ठण्डे पानी से नहाएं।

शरीर को ढककर रखें :- हल्के रंग के ढीले - ढाले एंव सूती कपड़े पहने, धूप के चश्मे का उपयोग करें, सिर ढक्कर रखें, टोपी, गमछा, छतरी का उपयोग करें, जूते - चम्पल पहने।

लू के लक्षण :- सिरदर्द, तेज बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना एंव बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, चक्कर आना, शरीर में ऐंठन, नब्ज असामान्य होना।

लू लगने पर क्या करें :- व्यक्ति को छायादार वृक्ष या स्थान पर लिटाए, ठंडे पानी की पट्टीयां रखें, व्यक्ति के कपड़े ढीले करें, उसे नमकीन पेय पदार्थ कच्चे आम का पानी आदी पिलाएं, प्रभावित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र मैं ले जाकर चिकित्सीय परामर्श लें और इलाज कराएं।

आप क्या न करें ?

जहां तक संभव हो दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक कड़ी धूप में बाहर न निकले, अधिक तापमान में बहुत अधिक शारीरिक श्रम न करें, शराब, चाय, काफी, साफ्ट ड्रिंक आदी का सेवन न करें, बच्चों को पार्किंग में बंद वाहन में अकेला न छोड़ें।

अनीमिया से बचाने के लिए पिलाई आयरन की खुराक

- शक्ति दिवस का आयोजन कर गर्भवतियों, बच्चों को किया लाभान्वित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई।

जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा सत्रों का निरीक्षण किया, दवाओं की उपलब्धता की जांच, सभी आयुवर्गों की उपस्थिति की जांच की। चिकित्सा संस्थानों पर एएनएम द्वारा समस्त लक्षित लाभार्थियों की एनीमिया की स्क्रीनिंग की गई, महिलाओं एवम् बच्चों को थकान, भूख ना लगना, नाखूनों का सफेद होना, जीभ पर सफेद परत का होना जैसे कुछ सामान्य लक्षणों के आधार पर तथा एनीमिक पाए गए लोगों को दवा वितरित की गई। साथ ही एनीमिक पाई गई महिलाओं, बच्चों का उपचार कराने के लिए लगातार फॉलोअप किया जाएगा। साथ ही सभी को भोजन की अच्छी आदतों को अपनाने, पोषक तत्वों युक्त भोजन करने, हरी सब्जियों, फलों, आयरन युक्त खाघ पदार्थों का सेवन करने की संबंधी जानकारी दी गई।

माँ, ममता और समाज निर्माण: मदर्स डे पर एक नई पहल

उदयपुर,(रॉयल पत्रिका)। मदर्स डे के अवसर पर मातृत्व, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को समर्पित विविध गतिविधियाँ एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस आयोजन के माध्यम से नारी शक्ति को सम्मान देने, उनकी रचनात्मकता को मंच प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल की जा रही है। इस विशेष कार्यक्रम का संचालन गीतांजलि हॉस्पिटल एवं प्रेक्षा एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य और सांस्कृतिक विकास दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

इस आयोजन में जैन सोशल ग्रुप संगिनी "अरहम" की संस्थापक अध्यक्ष रश्मि पगारिया विशेष योगदान दे रही हैं। वे मानसी संस्था की संरक्षिका भी हैं, जो महिलाओं के स्वरोज़गार और आत्मनिर्भरता के लिए कार्यरत है। इनके साथ-साथ मंजीत कौर, महिला मोर्चा कार्यालय मंत्री, भारतीय जनता पार्टी – नीमच, भी इस पहल में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। डॉ. बलदीप शर्मा, सचिव – भारत विकास परिषद, एवं प्रीति चापलोत, अध्यक्ष – प्रेशियस क्लब, भी इस आयोजन में शामिल होकर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रेरणा दे रही हैं। यह कार्यक्रम न केवल मातृत्व का सम्मान है, बल्कि महिलाओं के आत्मबल और समाज निर्माण में उनकी भूमिका को उजागर करने का एक प्रभावशाली मंच भी बन रहा है।

विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ पोषण पखवाड़े का हुआ समापन

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। बिसाऊ नगर पालिका में मंगलवार को महिला बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित किया गया, इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। समापन समारोह में बाल विकास परियोजना अधिकारी अमिता गेट, नगर पालिका ईओ सुरेश कुमार वर्मा, सेक्टर प्रभारी उषा कुल्हरी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता शर्मा, संपत , अरुण शकुंतला, गायत्री, संगीता ,सुमित्रा सहायिका व ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पोषण से संबंधित रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें राजबाला, दीपिका, काजल, सरिता स्वामी को प्रशस्ति पत्र देखकर पुरस्कृत किया गया। जिया पत्नी सुरेंद्र, तनु पत्नी भारत चौहान, रितु पत्नी मुकेश को बेटी जन्म पर प्रशासन द्वारा बधाई पत्र व बेबी किट वितरण किया गया। कार्यक्रम में सुनीता, रीना, सरिता, पूनम, आरती, ललिता, करूनिशा की गोद भराई करवाई गई, वही रेखा, पूजा, प्रियंका, संगीता का अन्नप्राशन कार्यक्रम हुआ। अंशु , प्रदीप, आयुष, इशांत, अलीना पूर्वी, रौनक का प्रवेश उत्सव भी किया गया।

पृथ्वी दिवस पर आलनपुर नर्सरी में पौधारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- रणथम्भौर भ्रमण कर विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में नर्सरी आलनपुर रेंज, सवाई माधोपुर परिसर में मंगलवार को उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक, रणथम्भौर बाघ परियोजना रामानंद भाकर के मुख्य आतिथ्य एवं उप वन संरक्षक सवाई माधोपुर सुनील कुमार के निर्देशन में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामानंद भाकर ने पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता पर विचार साझा किए। जागरूकता कार्यक्रम में रणथम्भौर चिल्ड्रन एकेडमी, सवाई माधोपुर के 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस दौरान विद्यार्थियों को नर्सरी का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया, जहाँ उन्हें पौधों की प्रजातियों, संरक्षण विधियों और पर्यावरणीय महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान "पृथ्वी हमारा भविष्य" विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान उप वन संरक्षक सुनील कुमार ने कहा कि पृथ्वी दिवस हमें संकल्प दिलाता है कि हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना है। विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, ताकि वे भावी पीढ़ी के लिए एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित कर सकें।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय वन अधिकारी, वनपाल नाका सदर एवं भगवतगढ़, नर्सरी इंचार्ज तथा अन्य वन विभाग के कार्मिकों की उपस्थिति में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के पश्चात सभी विद्यार्थियों को रणथम्भौर टाइगर रिजर्व का प्रेरणादायक भ्रमण भी करवाया गया, जिससे वे वन्य जीवन और जैव विविधता को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें।

'एक कदम पुस्तकालय की ओर' अभियान शुरु

बारां, (रॉयल पत्रिका)। पुस्तकालय अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद मीणा ने बताया कि बुधवार 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर चारमूर्ति चौराहे स्थित राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय में पुस्तक प्रदर्शनी लगाई जा रही है। आम पाठकों को अध्ययन करने के लिए पुस्तकालय से जोड़ने हेतु प्रेरित करने के लिए 'एक कदम पुस्तकालय की ओर' अभियान शुरू किया जाएगा। सदस्यता पंजीकरण और आजीवन सदस्यता प्रदान की जाएगी। पुस्तकालय में 21 हजार पुस्तकों का विशाल ज्ञान संग्रह उपलब्ध है। तथा दैनिक समाचार पत्रों के साथ पाक्षिक मासिक पत्रिकाएं आम पाठकों के लिए प्रातः 11 बजे से सायं 7 बजे तक निशुल्क उपलब्ध रहती है।

ज्यादा खुश मत होइए... बाजार में बड़ी आफत आनी बाकी! भारत समेत कोई नहीं बचेगा इससे

मार्क मोबियस ने दी गिरावट की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट में एक बार फिर से तेजी आई। पिछले हफ्ते शेयर मार्केट तीन दिन खुली थी और तीनों दिन बढ़त के साथ बंद हुई। इससे निवेशकों को एक बार फिर से भरोसा जगा है। वहीं मोबियस इमर्जिंग अपॉर्चुनिटीज फंड के चेयरमैन मार्क मोबियस का कहना है कि बाजार में बड़ी गिरावट आनी अभी बाकी है।

मोबियस ने इसका कारण अमेरिका के टैरिफ को बताया है। उनका कहना है कि अमेरिकी टैरिफ के कारण दुनियाभर की मार्केट में बड़ी गिरावट आ सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में मार्क मोबियस ने भारत को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत, चीन से ग्लोबल सप्लाई चेन को अपने हाथ में ले सकता है। मार्क मोबियस ने कहा कि भारत को निवेश और व्यापार से जुड़ी नौकरशाही को कम करना होगा। इससे काम जल्दी होगा।

मार्केट को लेकर क्या रुख

मोबियस का कहना है कि बाजार में और भी अनिश्चितता देखने को मिल सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप अभी बातचीत कर रहे हैं। उन्हें कुछ टैरिफ पर 90 दिन की समय सीमा खत्म होने से पहले कई व्यापारिक सौदे निपटाने हैं। उन्होंने कहा, जब आप बातचीत कर रहे होते हैं तो आपको कुछ पाने के लिए कुछ चुकाना होता है।

पहले व्यापारिक सौदों पर काम कर चुके लोगों का कहना है कि इस तरह की जल्दबाजी वाली समय-सीमा कई तरह की मुश्किलें और रुकावटें लाती है। इसलिए, तैयार रहें। बाजार और भी अस्थिर हो सकता है। यानी मार्केट में और गिरावट आ सकती है।

भारत पर क्या पड़ेगा असर?

मोबियस ने कहा कि हर कोई एक ही स्थिति में है। मार्केट की गिरावट से कोई भी आम तौर पर बच नहीं सकता है। भारत वैश्विक व्यापार युद्ध में और भी ज्यादा उलझेगा क्योंकि यह आगे चलकर एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बनेगा। भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। वह चीन से सप्लाई चेन को अपने हाथ में लेने की स्थिति में है। लेकिन भारत को निवेश के लिए सिस्टम को उदार बनाने और अपने व्यापार सिस्टम को भी उदार बनाने के लिए तेजी से आगे बढ़ना होगा।

मंदी के बारे में यह दी राय

मोबियस का कहना है कि अमेरिका में मंदी आएगी। शायद इसलिए क्योंकि पैसे की आपूर्ति अच्छी दर से नहीं बढ़ रही है। हालांकि मोबियस का यह भी कहना है कि यह मंदी बहुत लंबे समय तक नहीं चलेगी।

यह एक तिमाही या उससे कम समय तक चलेगी। मोबियस ने बताया कि ट्रंप यह सुनिश्चित करने के लिए निश्चित रूप से कुछ कार्रवाई करेंगे कि यह ज्यादा न खींचे।

विकसित भारत बनने की रणनीतिः अनंत नागेश्वरन बोले- हर साल 80 लाख नौकरियों की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य की तैयारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कम से कम अगले 10 से 12 सालों तक हर साल 80 लाख नई नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके साथ ही देश की जीडीपी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र की हिस्सेदारी भी बढ़ानी होगी। बता दें कि नागेश्वरन कोलंबिया विश्वविद्यालय में आयोजित कोलंबिया इंडिया समिट 2025 में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम भारत की आर्थिक नीतियों और भविष्य को लेकर आयोजित किया गया था।

आने वाले साल भारत के लिए कठिनः नागेश्वरन ने समिट में कहा कि आने वाले 10-20 साल भारत के लिए आसान नहीं होंगे। जैसा अनुकूल माहौल भारत को 1990 के बाद मिला था, वैसा अब नहीं मिलेगा। दुनिया की बदलती परिस्थितियां, तकनीकी बदलाव और वैश्विक संघर्ष आर्थिक विकास में बाधा बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी जैसी चुनौतियां अब सामने हैं, जो पहले विकसित देशों को नहीं झेलनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि एआई जैसी तकनीकें एंट्री-लेवल नौकरियों को खत्म कर सकती हैं। ऐसे में हमें नीतियों में इस तरह का संतुलन लाना होगा, जिससे रोजगार भी बने और तकनीक का इस्तेमाल भी हो।

विनिर्माण और एमएसएमई पर जोरः नागेश्वरन ने कहा कि अगर भारत को वैश्विक विनिर्माण में मजबूत बनना है, तो लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) का विकास भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश बिना मजबूत एमएसएमई सेक्टर के मैन्युफैक्चरिंग महाशक्ति नहीं बन पाया। साथ ही उन्होंने कहा कि या तो हमें निवेश दर को बढ़ाना होगा या फिर मौजूदा निवेश से अधिकतम लाभ निकालना होगा, क्योंकि वैश्विक पूंजी प्रवाह पर भी अब संघर्षों का असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पहले भारत की जीडीपी में निर्यात का योगदान 40 प्रतिशत तक था (2003-08), जो अब घटकर 20 प्रतिशत से भी कम हो गया है, और आगे और गिर सकता है। इसलिए, सिर्फ निर्यात पर निर्भर रहकर विकास करना अब संभव नहीं होगा।

वेयटेक ने दिल्ली में नए एक्सपीरिएंस सेंटर के साथ भारत में अपना विस्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विट्जरलैंड स्थित वेयग्रुप एजी की अनुषंगी वेयटेक्नोलॉजी इंडिया लिमिटेड ने भारतीय बाजार को लेकर अपनी मजबूत एवं बढ़ती प्रतिबद्धता दोहराते हुए नई दिल्ली में अपने दूसरे इंडिया एक्सपीरिएंस सेंटर का उद्घाटन किया है। यह अत्याधुनिक सुविधा मुंबई में वेयटेक के मौजूद एक्सपीरिएंस सेंटर की पूरक है और यह ट्रेडिंग फ्लोर्स, कमांड एंड कंट्रोल रूम और सिक्युरिटी ऑपरेशंस सेंटर्सजैसे मिशन के महत्व वाले वातावरण के लिए इस कंपनी की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजीज़ को जीवंत रूप से प्रदर्शित करने का काम करेगा। इस नई दिल्ली एक्सपीरिएंस सेंटर का औपचारिक रूप से उद्घाटन वेयग्रुप एजी के बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ अर्मिन क्लिंगलर, वेयग्रुप के डिप्टी सीईओ एवं सीएफओ पास्कल क्रेइनबुह्ल और वेयटेक्नोलॉजीज़ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजीव भल्ला द्वारा किया गया। चालीस वर्ष से अधिक की विरासत के साथ वेयटेक को इसके स्विट्जरलैंड में इंजीनियरिंग किए गए उच्च निष्पादन वाले कार्यस्थल सॉल्यूशंस के लिए जाना जाता है। यह कंपनी रीयल टाइम डेटा के निर्बाध ट्रांसमिशन, कंट्रोल, डिस्ट्रीब्यूशन एवं विजुअलाइजेशन में विशेषज्ञ है और सभी क्षेत्रों में पेशेवरों को कुशल एवं एकीकृत कार्य वातावरण के साथ सशक्त कर रही है। वेयग्रुप एजी के बोर्ड के चेयरमैन एवं सीईओ अर्मिन क्लिंगलर ने कहा, भारत वेयटेक के लिए एक रणनीतिक बाजार है और हम इसकी वृद्धि में सहयोग के लिए हमारे वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय नवप्रवर्तन को यहां लाकर उत्साहित हैं। हमारे सॉल्यूशंस में सटीक, विश्वसनीय एवं परिचालक केंद्रित डिजाइन का समा वेय है जो स्विस इंजीनियरिंग को परिभाषित करता है।

टाटा के शेयर को खरीदने की लूट, बावजूद एक्सपर्ट हैं निराश, प्रॉफिट में आई गिरावट

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी टाटा एलेक्सी के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 6 प्रतिशत से अधिक चढ़कर 5208 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इसका पिछला बंद प्राइस 4899.75 रुपये था। शेयरों में यह तेजी निराशाजनक मार्च तिमाही के नतीजों के बाद देखी जा रही है। इधर, ब्रोकरेज हाउसों के एनालिस्ट को अपने टारगेट प्राइस को कम करना पड़ा और अधिक सतर्क रुख अपनाना पड़ा। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने टाटा एलेक्सी पर अपनी अंडरवेट रेटिंग बरकरार रखी है और पहले से मामूली उम्मीदों के बावजूद चौथी तिमाही में विफलता का हवाला देते हुए इसका टारगेट प्राइस घटाकर 4,660 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज ने अपने नोट में लिखा है कि ऑटोमोटिव सेगमेंट में डील में कुछ तेजी देखने को मिल सकती है। कमजोर एग्जिट रेवेन्यू के साथ मॉर्गन स्टेनली ने चेतावनी दी कि आय में गिरावट का चक्र जारी रह सकता है।

1700 रुपये के पार जा सकते हैं आईसीआईसीआई बैंक के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर सोमवार को 2 पर्सेंट से अधिक उछलकर 1437 रुपये पर पहुंच गए हैं। बैंक के शेयर 52 हफ्ते के नए उच्चतम स्तर पर जा पहुंचे हैं। बाजार पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स का कहना है कि बैंक के शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेफरीज ने आईसीआईसीआई बैंक पर बाय रेटिंग बनाए रखी है। ब्रोकरेज हाउस ने बैंक के शेयरों के लिए 1710 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, मौजूदा लेवल से आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में करीब 20 पर्सेंट का उछाल आ सकता है।

किसी एनालिस्ट ने नहीं दी शेयर बेचने की रेटिंग

आईसीआईसीआई बैंक उन कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में से है, जिसे एक भी एक्सपर्ट ने बेचने की सलाह नहीं दी है। प्राइवेट बैंक के स्टॉक का कवरेज करने वाले 52 एनालिस्ट्स में से 49 ने बैंक के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। जबकि 3 एनालिस्ट्स ने बैंक के शेयरों को होल्ड रेटिंग दी है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस मैक्वेरी ने आईसीआईसीआई बैंक पर आउटपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी है और बैंक के शेयरों के लिए 1670 रुपये का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज हाउस यूबीएस ने बाय रेटिंग के साथ बैंक के शेयरों को 1680 रुपये का टारगेट दिया है। आईसीआईसीआई बैंक को मार्च 2025 तिमाही में 12,630 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले बैंक का मुनाफा 18 पर्सेंट बढ़ा है। वहीं, मार्च तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 11 पर्सेंट बढ़कर 21,193 करोड़ रुपये रही है। अगर पूरे वित्त वर्ष 2025 की बात करें तो प्राइवेट बैंक का टैक्स भुगतान के बाद मुनाफा सालाना आधार पर 15.5 पर्सेंट बढ़कर 47,227 करोड़ रुपये रहा है। आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए हर शेयर पर 11 रुपये का डिविडेंड घोषित किया है। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.41 पर्सेंट रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 4.25 पर्सेंट था।

सोने के रेट में रिकॉर्ड तेजी, 1500 तक महंगा हुआ गोल्ड, 96000 पर पहुंच गया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल बाजार में बढ़ती मांग के कारण सोमवार को सोने की वायदा कीमतों में 1,493 रुपये की भारी उछाल देखी गई और यह 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून डिलीवरी के लिए सोने के अनुबंधों ने लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शानदार प्रदर्शन जारी रखा और इसने शुरुआती कारोबार में 1,493 रुपये यानी 1.57 प्रतिशत चढ़कर 96,747 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर को छू लिया।

क्या है डिटेलः रिकॉर्ड तेजी से पीछे हटकर 1,346 रुपये यानी 1.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 96,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। जिसमें 21,540 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी तरह, अगस्त डिलीवरी के लिए अनुवर्ती अनुबंध 1,464 रुपये यानी 1.53 प्रतिशत की तेजी के साथ एमसीएक्स पर 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार को 'गुड फ्राइडे' के कारण जिंस बाजार बंद रहे थे।

एनालिस्ट की रायः एनालिस्ट्स ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच चल रहे व्यापार तनाव ने वैश्विक अनिश्चितता को बढ़ा दिया है, जिससे निवेशकों को सुरक्षित-संपत्तियों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच कोई समाधान नहीं निकलता, तब तक सोने में तेजी जारी रहने की संभावना है। वैश्विक बाजारों में, सोने का वायदा भाव 3,400.86 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के जिंस के उपाध्यक्ष राहुल कलंत्री ने कहा, अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने तथा वैश्विक व्यापार चिंताओं के बीच सुरक्षित निवेश के रूप में खरीदारी के कारण सोने की कीमतों में तेजी आई और यह नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले बृहस्पतिवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के खिलाफ लगातार हमले शुरू करने के बाद अमेरिकी डॉलर दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। उनके कर्मचारी पॉवेल को बदलने पर विचार कर रहे हैं, जिस कदम से केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता और वैश्विक बाजारों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की बड़े विस्तार की योजना

मुंबई, एजेंसी। एनएसई और बीएसई लिस्टेड (बीएसई- 541418) नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज जो प्रीमियम क्वालिटी टूटी फ्रूटी (कैंडिड फ्रूट्स), ड्राई फ्रूट्स और डिहाइड्रेटेड फ्रूट्स के निर्माण और निर्यात में संलग्न है, ने अब ड्रिंक्स और बेवरेज सेगमेंट में विस्तार की रणनीतिक घोषणा की है। कंपनी अब मिनरल वॉटर, एरेटेड ड्रिंक्स और नॉन-अल्कोहॉलिक बेवरेज जैसे उत्पादों को अपनी रेंज में शामिल करेगी। यह कदम कंपनी की उत्पाद विविधीकरण और बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी फूड एंड बेवरेज इंडस्ट्री में फलों, नट्स, बेकरी उत्पादों और विभिन्न कृषि उत्पादों के निर्माण, प्रसंस्करण और व्यापार में सक्रिय है। इसके अलावा, कंपनी अपने नए बेवरेज उत्पादों को 'नोकंट्रोल' ब्रांड नाम से लॉन्च करेगी। रणनीतिक रूप से नागपुर में स्थित अपने मुख्यालय के साथ—जिसे भौगोलिक रूप से भारत का हृदय माना जाता है—कंपनी को राष्ट्रव्यापी कुशल और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने में लॉजिस्टिकल लाभ प्राप्त है। नाकोडा मिडिल ईस्ट और यूरोपीय देशों में एक प्रमुख निर्यातक है और दुनिया भर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की आकांक्षा रखता है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और प्रमुख त्न20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।

एआई चैटबॉट चैट जीपीटी के उपयोग में तेजी आई

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट चैट जीपीटी का इस्तेमाल अब काफी होने लगा है। काफी यूजर्स इस चैटबॉट पर अपने सवाल पूछते हैं और जानकारी लेने के दौरान प्लीज और थैंक यू जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। ये शब्द चैटजीपीटी की कंपनी ओपनएआई के लिए आफत बन गए हैं।

सैम ऑल्टमैन ने हाल ही में एक बात बताई। उन्होंने कहा कि प्लीज और थैंक यू जैसे छोटे-मोटे शब्द भी कंपनी के लिए बिजली का खर्चा बढ़ा रहे हैं। सैम ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर के सवाल के जवाब में कही थी। उन्होंने बताया कि इन छोटे शब्दों के कारण करोड़ों डॉलर की बिजली खर्च होती है।

क्या लिखा है पोस्ट में?: कुछ दिनों पहले टोमी नाम के एक यूजर ने एक्स पर एक पोस्ट लिखी थी। इसमें यूजर ने पूछा था कि चैट जीपीटी से बात करते समय लोग जो प्यार से प्लीज और थैंक यू बोलते हैं, उससे कितनी बिजली खर्च होती है?

इस पर सैम ने जवाब दिया कि कंपनी इसके लिए करोड़ों डॉलर खर्च कर रही है, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। उनका ये मजाकिया जवाब बताता है कि एआई सिस्टम हर शब्द को प्रोसेस करने में कितना खर्चा करता है।

शब्दों का बिजली से क्या कनेक्शन?: अब बात करते हैं कि प्लीज और थैंक यू बोलने से क्या होता है। देखने में तो ये छोटे शब्द लगते हैं, लेकिन इनसे कंप्यूटर पर काम का बोझ बढ़ जाता है। हर एक शब्द को प्रोसेस करने के लिए ज्यादा पावर चाहिए होती है। इससे चैट जीपीटी को चलाने वाले डेटा सेंटर्स पर ज्यादा दबाव पड़ता है।

इन सेंटर्स में बहुत सारे कंप्यूटर होते हैं जो बहुत गर्मी पैदा करते हैं। इसलिए, उन्हें ठंडा रखने के लिए खास सिस्टम लगाने पड़ते हैं। इन सब चीजों से बिजली का इस्तेमाल बढ़ जाता है। बता दें कि जैसे-जैसे लोग एआई से ज्यादा बात कर रहे हैं, वैसे-वैसे एआई का एनर्जी इस्तेमाल भी बढ़ता जा रहा है।

कितने जरूरी हैं ये शब्द?: कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि एआई चैटबॉट से प्यार से बात करने के फायदे भी हैं।

सोनी लिव का नया डॉक्यू-ड्रामा 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स'

मुंबई, एजेंसी। सोनी लिव की आगामी डॉक्यू-ड्रामा सीरीज 'ब्लैक, व्हाइट एंड ग्रे - लव किल्स' अपने प्रीमियर से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता जगा चुकी है। सही और गलत की धुंधली सीमाओं पर टिकी इसकी रहस्यमय कहानी और नैतिक द्वंद्व से जूझते किरदारों ने इसे प्लेटफॉर्म पर बहुप्रतीक्षित सीरीज बना दिया है। शो के कलाकारों को रिलीज़ से पहले ही ढेरों जिज्ञासु संदेश मिल रहे हैं, जिनमें दर्शक कहानी के रहस्य को सुलझाने के लिए उत्सुक नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर शो को लेकर चर्चाओं का माहौल बना हुआ है - हर तरफ कयास, थ्योरी और जिज्ञासा से भरी बातचीत हो रही है। शो की कहानी को लेकर कलाकार अब तक पूरी गोपनीयता बनाए हुए हैं और हल्के-फुल्के अंदाज़ में दर्शकों से यही कहते हैं - शो शुरू होने दो, सब पता चल जाएगा! इस सीरीज में अहम भूमिका निभा रहीं पलक जायसवाल ने कहा, हमें जो संदेश मिल रहे हैं, वे वाकई चौंकाने वाले हैं! लोग पहले ही कहानी के सुराग जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं और यह अंदाजा लगाने में जुटे हैं कि असली गुनहगार कौन है।

ईडीआईआई ने उद्यमिता का उपयोग करके सभी वर्गों के लोगों के उत्थान और उन्नती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईः दिनेश सिंह रावत

ईडीआईआई ने अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया

मुंबई, एजेंसी। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) ने 20 अप्रैल 2025 को अपना 43वां स्थापना दिवस मनाया। गोवा के माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. प्रमोद सावंत ने इस अवसर पर वर्चुअली संबोधित किया। इस कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए, जिनमें मुख्य अतिथि डॉ. पिरुज़ खंबाटा, चेयरमैन - रसना ग्रुप एवं काउंसल जनरल, दक्षिण कोरिया (गुजरात); सम्मानित अतिथि सुनील अंचीपाका, आईएएस, सचिव (उद्योग), गोवा; बी. एस. पाई आंगले, मेनेजिंग डायरेक्टर, ईडीसी लिमिटेड, गोवा; दिनेश सिंह रावत, चीफ जनरल मेनेजरएवं जोनल हेड (अहमदाबाद ज़ोन), आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, अहमदाबाद (एवं गवर्निंग बोर्ड मेम्बर, ईडीआईआई) तथा डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई शामिल रहे।

सरकार, कॉरपोरेट, उद्योग संघों और शैक्षणिक क्षेत्र से भी कई गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल रहे। यह कार्यक्रम का केंद्रबिंदु था कि कैसे उद्यमिता, स्टार्टअप्स और इनोवेशन देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को प्रभावित कर रहे हैं।

डॉ. प्रमोद सावंत ने वर्चुअली संबोधित करते हुए गुजरात के अद्वितीय विकास मॉडल की सराहना की और देश व बाहर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ईडीआईआई की भूमिका की प्रशंसा की। माननीय मुख्यमंत्री श्री ने कहा, आज भारत, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, एक अग्रणी स्टार्टअप राष्ट्र बनने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है, और इस दिशा में ईडीआईआई का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। गोवा, 'विकसित भारत' और 'विकसित गुजरात' की परिकल्पना के अनुरूप एक मजबूत स्टार्टअप-केन्द्रित इकोसिस्टम स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है, ताकि 'विकसित गोवा' के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने ईडीआईआई - गोवा केंद्र द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का भी उल्लेख किया (जिसका उद्घाटन 12 मार्च 2024 को हुआ था)। उन्होंने बताया कि यह केंद्र ईडीआईआई द्वारा उस पत्र के आधार पर स्थापित किया गया था, जिसे उन्होंने गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल जी को इस आवश्यकता को रेखांकित करते हुए लिखा था। श्री दिनेश सिंह रावत ने कहा, ईडीआईआई ने उद्यमिता का उपयोग करके सभी वर्गों के लोगों के उत्थान और उन्नतमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर डॉ. पिरुज़ खंबाटा ने कहा, उद्यमिता ने लंबा सफर तय किया है; इसे सामाजिक-आर्थिक विकास के एक शक्तिशाली साधन के रूप में सराहा जा रहा है। 'विकसित भारत' की परिकल्पना उद्यमिता, कौशल विकास, टेक्नोलोजी, ईनोवेशन और विस्तारित बाजारों जैसे स्तंभों पर आधारित है।

'रेट्रो' का हिंदी में ट्रेलर जारी उत्तर के दर्शकों को रिझाएंगे

मुंबई। साउथ के सुपर स्टार सूर्या की फिल्म 'रेट्रो' का ट्रेलर तीन दिन पहले जारी किया जा चुका है। अब इस फिल्म का ट्रेलर हिंदी में जारी किया गया है। इसका मतलब यह है कि फिल्म हिंदी में भी रिलीज होगी। ऐसें में उत्तर भारत के दर्शक भी फिल्म का आनंद उठा सकेंगे। 'रेट्रो' एक मई को रिलीज होने वाली है। 'रेट्रो' के ट्रेलर में सूर्या जबरदस्त एक्शन में हैं। वह दुश्मनों के छक्के छुड़ा रहे हैं। सूर्या कभी लाठी तो कभी चाकू चलाते हैं। वह खास अंदाज में घुमाकर मुक्का मारते हैं जो उनके फैंस को खूब पसंद आने वाला है। ट्रेलर में पूजा हेगड़े को भी दिखाया गया है। वह पूजा हेगड़े के साथ इमोशनल होते हैं।

लाइफ Style

अनन्या

भाई अहान के बॉलीवुड डेब्यू पर जताई खुशी

अभिनेता चंकी पांडे के परिवार से अब एक और सितारा बॉलीवुड में एंट्री करने जा रहा है। अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। आज उनकी पहली फिल्म की घोषणा हो गई है। इस पर अनन्या ने भाई के लिए चीयर किया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यशराज फिल्म्स ने आज एक नई फिल्म की घोषणा कर दी है। फिल्म का नाम 'सैयारा' है। इस फिल्म में अहान पांडे मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे। अहान पांडे बॉलीवुड में एंट्री करने वाला नया चेहरा है। साथ ही वो एक फिल्मी घराने से भी ताल्लुक रखते हैं। अहान पांडे अनन्या पांडे के चचेरे भाई हैं। अब अपने भाई की बॉलीवुड में एंट्री से बहन अनन्या पांडे काफी उत्साहित हैं। उन्होंने अपने भाई के लिए चीयर किया है और बॉलीवुड में उनका स्वागत किया है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने चचेरे भाई की डेब्यू फिल्म के बारे में यशराज फिल्म्स द्वारा की गई आधिकारिक घोषणा वाली पोस्ट को साझा किया। उसी के बारे में खुशी जताते हुए अनन्या ने लिखा, "फिल्मों में तुम्हारा स्वागत है मेरे भाई। इसके साथ ही अनन्या ने अपनी स्टोरी में एक लाल दिल, हाथ जोड़कर और नजर ताबीज जैसे इमोजी का इस्तेमाल किया है। अपनी स्टोरी में अनन्या ने अपने भाई अहान पांडे को टैग भी किया है। अनन्या के अलावा अहान की बहन और मां ने भी उनके फिल्मी डेब्यू पर खुशी जताई है। यशराज फिल्म्स ने आज ही अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर अहान पांडे की डेब्यू फिल्म की घोषणा की है।

हॉलीवुड मसाला

व्हूपी ने बताया पोप को करीबी

लॉस एंजिल्स। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के बाद उनके चाहने वाले शोक में हैं और उनको अपनी-अपनी तरह से याद कर रहे हैं। आम लोगों से लेकर तमाम सेलिब्रिटीज तक पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी क्रम में सिने जगत के भी तमाम सितारों ने पोप को याद किया है और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। इसमें लियोनार्डो डिकैप्रियो से लेकर रसेल क्रो और सिल्वेस्टर स्टेलोन समेत कई नाम शामिल हैं। कॉमेडियन व्हूपी गोल्डबर्ग ने पोप फ्रांसिस को याद करते हुए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक नोट लिखा है।

एम्बर को बचपन से रहा अभिनय का शौक...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की चमक-दमक में अपनी जगह बनाने वाली एम्बर हर्ड एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपने अभिनय और निजी जीवन दोनों से सुर्खियां बटोरी हैं। उनकी जिंदगी की कहानी एक साधारण शुरुआत से लेकर वैश्विक मंच तक की यात्रा है, जिसमें प्रेम, शादी और तलाक जैसे उतार-चढ़ाव भी शामिल हैं। एम्बर लॉरा हर्ड का जन्म 22 अप्रैल 1986 को अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन शहर में हुआ था। उनके पिता डेविड क्लिंटन हर्ड एक ठेकेदार थे, जबकि मां पेट्रीसिया पेज हर्ड इंटरनेट रिसर्चर के तौर पर काम करती थीं। एम्बर की दो बहनें हैं। उनका बचपन टेक्सास के खुले-खुले माहौल में बीता। बचपन से ही वह स्वतंत्र विचारों वाली थीं। बहुत कम उम्र में ही अभिनय के प्रति उनका रुझान नजर आने लगा था।

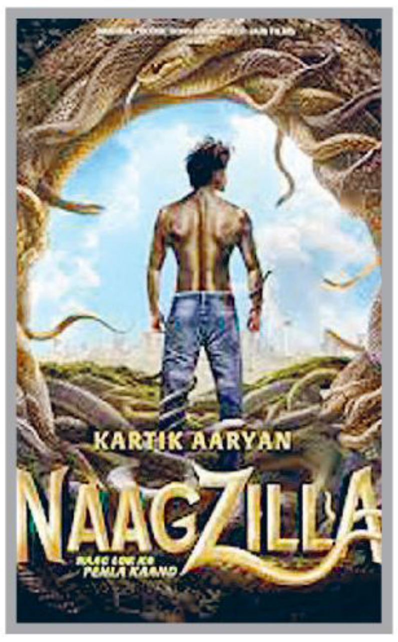

करण लेकर आ रहे नागों वाली पिक्चर

मुंबई। निर्माता-निर्देशक करण जौहर अब धर्मा प्रोडक्शन की अबतक की फिल्मों से अलग हटकर एक नई तरह की फिल्म लेकर आ रहे हैं। इच्छाधारी नाग की कहानी पर आधारित उनकी नई फिल्म है 'नागजिला'। करण ने मंगलवार को इस फिल्म का मोशन पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की घोषणा कर दी है और इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन इच्छाधारी नाग की भूमिका में दिखाई देंगे। करण ने जो पोस्टर जारी किया है उसमें नीली जींस पहने शर्टलेस कार्तिक आर्यन दूसरी तरफ मुंह करके खड़े हैं। वो सांपों से भरे घर से शहर को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उनके आस-पास सिर्फ सांप ही सांप हैं और उनके ऊपर भी सांप लिपट रहे हैं। इस वीडियो पोस्टर में कार्तिक आर्यन की आवाज में वॉइस ओवर है।

'डॉन-3' में चाहिए अनुभवी अभिनेत्री

मुंबई। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'डॉन 3' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। इस बार डॉन की प्रमुख भूमिका में शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह को कास्ट किया गया है। फिल्म की फीमेल लीड को लेकर अब तक कुछ तय नहीं हो पा रहा है। घोषणा के समय कियारा आडवाणी फिल्म की हीरोइन घोषित हुई थीं। हालांकि, प्रेग्नेंसी के चलते उनके फिल्म से हटने के बाद अब तक किसी नई एक्ट्रेस के नाम पर मोहर नहीं लग पाई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबकि, फरहान अख्तर और उनकी टीम अपनी फिल्म के लिए एक अनुभवी अभिनेत्री को कास्ट करना चाहती है। जिसकी स्क्रीन पर मौजूदगी अच्छी हो और किरदार की गंभीरता को समझ सके। इसीलिए शायद शरवरी की जगह अब कृति सेनन को अप्रोच किया जा रहा है।

टीवी मसाला

लाल साड़ी में दिखीं निया

कहा- आप लोग ही तलाश दो दूल्हा

नई दिल्ली। इन दिनों टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा शो 'लाफ्टर शेफ' में नजर आ रही हैं। हाल ही में शो का एक स्पेशल एपिसोड में शूट हुआ, जिसमें निया लाल साड़ी पहने नजर आईं। शो से पहले निया की मुलाकात पैपराजी से भी हुई। निया को लाल साड़ी में देख पैपराजी ने पूछ लिया, 'शादी कब कर रही हैं?' वह पहले मुस्कुराईं, इसके बाद बोलीं, 'आप लोग ही तलाश दो दूल्हा?।' इस पर पैपराजी ने कहा कि वो तो यहीं पर है? दरअसल, पैपराजी में से कुछ लोग अपनी बात कर रहे थे। इस पर निया शर्मा ने हंसकर बात को टाल दिया।' शो 'लाफ्टर शेफ'में निया शर्मा अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। इस शो में प्रतियोगियों को कोई स्पेशल डिश, रेसिपी बनाती होती हैं, साथ ही शो में खूब कॉमेडी भी होती है। निया को कुकिंग तो नहीं आती लेकिन वह अपनी बेबाकी से दर्शकों का दिल जरूर जीत रही हैं। इस शो को भारती सिंह होस्ट करती हैं। निया शर्मा के कॅरियर फ्रंट की बात करें तो वह 'नागिन' सीरीज का हिस्सा रह चुकी हैं। 'एक हजारों में मेरी बहना है' जैसा पॉपुलर टीवी शो कर चुकी हैं। कई रियालिटी शो का भी निया शर्मा हिस्सा रही हैं। वह 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो में भी नजर आ चुकी हैं।

अभिनव ने असीम के आक्रामक व्यवहार पर साधा निशाना...

नई दिल्ली। अभिनव शुक्ला और असीम रियाज के बीच का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। असीम ने सोशल मीडिया पर अभिनव पर सहानुभूति मांगने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में अभिनव ने सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अभिनव ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने असीम के आक्रामक व्यवहार और रियलिटी शो में उनके रवैये पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'वह मुझे अच्छी तरह जानता है, लेकिन उसने गलती की। मैं चुप रहता हूं और खड़ा रहता हूं। कोई रियलिटी शो मुझे आक्रामक या अपमानजनक नहीं बना सकता। किरदार कंटेंट से ज्यादा मायने रखता हैं। अगर धक्का-मुक्की और सेट का सामान तोड़ना ही उपलब्धि है, तो मैं प्रभावित नहीं हूं। एमएमए ट्राई करो, देश के लिए खेलो। शांत रहो!' अभिनव ने रविवार को बताया कि उन्हें सोशल मीडिया पर एक यूजर से जान से मारने की धमकी मिली, जिसने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया।

50 के दशक में पिता ने अभिनय के लिए किया प्रेरित, आज पोती भी करती है फिल्मों में एक्टिंग

नई दिल्ली। 50 के दशक में अभिनेत्री उषा किरण ने अभिनय का सफर शुरू किया। लगभग 50 से अधिक हिंदी और मराठी फिल्मों में एक्टिंग की। चार दशक तक वह सिनेमा की दुनिया में सक्रिय रहीं। मंगलवार को अभिनेत्री उषा किरण का जन्मदिन (22 अप्रैल 1929) था। इस मौके पर जानिए, उषा किरण के फिल्म कॅरियर, निजी जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें। उषा किरण का जन्म एक मराठी परिवार हुआ। पिता बालकृष्ण मराठे हमेशा से उषा के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहे। उषा पांच बहनों में दूसरे नंबर पर आती थीं। उषा ने थिएटर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, इस काम के लिए पिता से उन्हें बहुत प्रोत्साहन मिला। जानिए, कैसे शुरू हुआ उषा किरण का फिल्मी दुनिया में आने का सफर? किन फिल्मों और अभिनेता के साथ अभिनय किया? साथ ही आज उषा किरण के परिवार के कौन से सदस्य एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं, विस्तार से जानिए।

इस तरह शुरू हुआ फिल्मों का सफर

उषा किरण के पिता चाहते थे कि बेटी फिल्मों में काम करे। अभिनेत्री के पिता ने एक फिल्म भी बनाई, जिसमें बेटी को अभिनय का मौका दिया। फिल्म फ्लॉप रही लेकिन उषा को एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने का मौका मिल गया। उषा ने अपने सरनेम मराठे की जगह किरण शब्द का इस्तेमाल किया। इस तरह वह उषा किरण बनकर हिंदी फिल्मों में पहुंचीं। अभिनेत्री ने इसके बाद लगभग 50 से ज्यादा हिंदी और मराठी फिल्में कीं। 'कल्पना' बॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म थी।

नामी कलाकारों संग किया अभिनय

उषा किरण ने अधिक फिल्में अपने करियर में भले ही ना की हों लेकिन उन्हें नामी अभिनेताओं के साथ अभिनय करने का मौका मिला। उषा ने दिलीप कुमार, देव आनंद, किशोर कुमार, राज कपूर, अशोक कुमार, राजेंद्र कुमार, राजेश खन्ना, धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन जैसे अभिनेताओं के साथ बड़े पर्दे पर अभिनय किया था। वह नजराना, दाग, बंधन, काबुलीवाला, पतिता, मिली, बावर्ची और चुपके-चुपके जैसी चर्चित फिल्मों का भी हिस्सा बनीं।

परिवार ने बढ़ाया अभिनय की विरासत को आगे

उषा किरण का खुद किसी फिल्मी परिवार से वास्ता ना रहा हो लेकिन आगे चलकर उनके परिवार के कई सदस्य फिल्मों से जुड़े। उषा ने डॉ. मनोहर खेर से शादी की, इनके दो बच्चे हुए अद्वैत्य और तन्वी। बेटे ने मॉडलिंग को अपना करियर बना लिया। अद्वैत्य ने उत्तरा से शादी की, इनकी दो बेटियां हुईं संस्कृति खेर, सैयामी खेर। सैयामी इन दिनों बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय कर रही हैं, अपनी दादी की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। वहीं उषा किरण की बेटी तन्वी ने कोरियोग्राफर बाबा आजमी से शादी की, वह अब तन्वी आजमी के नाम से जानी जाती हैं और फिल्मों में, टीवी में एक्टिंग करती हैं। तन्वी के पति बाबा आजमी, शबाना आजमी के भाई लगते हैं। इस तरह से उषा किरण और शबाना आजमी भी रिश्तेदार हो जाते हैं।

'आमा-बुबू' की अमेरिका में धूम बेस्ट एक्टर के लिए नामांकन...

मुंबई। 'न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड्स' के 25वें संस्करण को लेकर एक दिलचस्प खबर सामने आई है। इस फेस्टिवल में उत्तराखंड के 80 साल के पदम सिंह कापड़ी और 70 साल की हीरा देवी को फिल्म 'पायर' में अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामांकित किया गया है। हैरत की बात यह है कि इन दोनों ने इससे पहले किसी भी फिल्म में अभिनय नहीं किया। इस फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता विनोद कापड़ी ने किया है। 'पायर' फिल्म के लिए विनोद कापड़ी ने पदम सिंह को लिया था। वह भारतीय सेना के रिटायर सिपाही हैं। इसके अलावा हीरा देवी को लिया था जो कि एक किसान हैं। दोनों में से किसी ने भी पहले कभी अभिनय नहीं किया था। दोनों का ताल्लुक उत्तराखंड के जिला पिथौरागढ़ की तहसील बेरीनाग से है।

पदम सिंह इन दिनों कैंसर की बीमारी से जूझ रहे हैं। सिनेमा में और भारत के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि 80 साल का आदमी जिसने कभी अभिनय नहीं किया वह इस अवॉर्ड के लिए नामांकित हुआ है। फिल्म 'पायर' को दुनिय भर में सराहा जा रहा है। फिल्म का विश्व प्रीमियर '28वें टैलिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल' में हुआ था। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म दर्शक का पुरस्कार दिया गया था। फिल्म को '16वें बेंगलुरू अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' में जूरी पुरस्कार मिला है। हाल ही में 24वें इमेजिन इंडिया अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित छह नामांकन मिले।

'ग्राउंड जीरो' में आतंकवाद और बीएसएफ के ऑपरेशन की दिखाई जाएगी कहानी

आतंकवाद से लेकर रोमांस तक, इन फिल्मों में दिखा कश्मीर का अलग-अलग रंग

नई दिल्ली। बॉलीवुड की फिल्मों के लिए कश्मीर हमेशा एक मजबूत विषय व आधार रहा है। कई फिल्मों में कश्मीर के अलग-अलग रंग दिखाए गए हैं। कभी वहां फैले आतंकवाद को दिखाया गया है, तो कभी कश्मीर में हीरो-हिरोइन ने रोमांस फरमाया है। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' का हाल ही में ट्रेलर जारी किया गया। कश्मीर की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में आतंकवाद और बीएसएफ के ऑपरेशन की कहानी दिखाई जाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित ये फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर कश्मीर को दिखाया जाएगा। फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित है। 'ग्राउंड जीरो'से पहले भी बॉलीवुड की कई फिल्मों में कश्मीर को दिखाया गया है और फिल्मों की कहानी कश्मीर पर केंद्रित रही है। जानते हैं कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में।

द कश्मीर फाइल्स : 2022 में आई विवेक अग्निहोत्री की 'द कश्मीर फाइल्स' 1990 में कश्मीर घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन की वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। इस फिल्म में कश्मीरी पंडितों के पलायन और उस दौर में उनके ऊपर हुए अत्याचार की कहानी को दिखाया गया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

आर्टिकल 370 : यामी गौतम की फिल्म 'आर्टिकल 370' जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटाए जाने के बारे में है। इस फिल्म में सरकार ने कैसे इतना बड़ा फैसला लिया और कैसे इसकी प्लानिंग की, इसकी कहानी को दिखाया गया है।

मिशन कश्मीर : ऋतिक रोशन, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ स्टारर 'मिशन कश्मीर' उस वक्त कश्मीर में फैले आतंकवाद की कहानी को दर्शाती है। फिल्म में अल्ताफ नाम के लड़के की कहानी दिखाई गई है। जिसे एक पुलिस प्रमुख उसके परिवार के मार दिए जाने के बाद गोद ले लेता है। फिल्म में ऋतिक रोशन ने एक आतंकवादी की भूमिका निभाई है। इस फिल्म का निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा ने किया है।

शिकारा : 2020 में आई विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 'शिकारा' भी कश्मीरी पंडितों के पलायन पर आधारित है। फिल्म में एक युवा जोड़े की कहानी को दिखाया गया है, जिनकी नई-नई शादी हुई है। वो कश्मीर में सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने के बाद कैसे वहां से पलायन करते हैं और फिर खुद के सेटल होने में संघर्ष करते हैं।

फितूर : आदित्य रॉय कपूर, कटरीना कैफ और तब्बू की फिल्म 'फितूर' की कहानी कश्मीर पर ही आधारित है। इस फिल्म में कश्मीर की खूबसूरती को बखूबी दिखाया गया है। फिल्म के कुछ-कुछ दृष्यों में बर्फ से लदी कश्मीर की घाटियां आपका मन मोह लेंगी। फिल्म में कश्मीर के लड़के-लड़की की लव स्टोरी दिखाई गई है।

कश्मीर की कली : शम्मी कपूर-शर्मिला टैगोर की फिल्म 'कश्मीर की कली' में कश्मीर की खूबसूरती को बखूबी दिखाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि एक लड़का शादी से बचने के लिए कश्मीर भाग जाता है, जहां उसकी मुलाकात एक कश्मीरी लड़की से होती है। धीरे-धीरे उसे उससे प्यार हो जाता है। इसके बाद क्या कुछ होता है, ये फिल्म में दिखाया गया है। फिल्म के गाने और कहानी काफी पसंद की गई थी।

कोहली 13, बटलर 11 और गेल-राहुल 10 बार चूके शतक से, 90+ रन पर हुए आउट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बीते शनिवार को इंडियन प्रीमियर 2025 के 35वें मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जीत के लिए मिले 204 रन के लक्ष्य को जीटी ने जोस बटलर की नाबाद 97 रन की पारी की मदद से हासिल किया। इस बीच आईपीएल के इतिहास में 10 या उससे अधिक 90+ रन के स्कोर बनाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

जोस बटलर (11)

बटलर ने 11 पारियों में 90+ रन के स्कोर बनाए हैं, जिसमें 7 शतक शामिल हैं। उन्होंने अब तक के करियर में 114 मैचों में 39.36 की औसत और 148.74 की स्ट्राइक रेट के साथ 3,897 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 22 अर्धशतक भी लगाए हैं। बटलर का आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर 124 रन है। वह जीटी से पहले मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमों से खेल चुके हैं।

इन बल्लेबाजों ने भी 10 या अधिक बार बनाए हैं 90 से ज्यादा रन

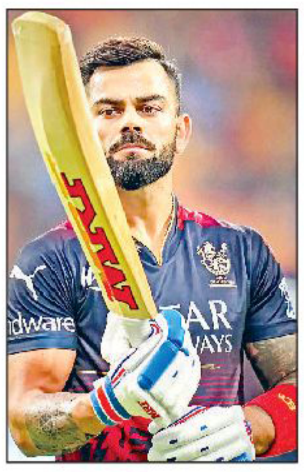

विराट कोहली (13)

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने 13 पारियों में 90+ रन के स्कोर किए हैं। वह इस लीग में निरंतर रन बनाते हैं। वह अब तक 260 मैचों की 251 पारियों में 38.92 की औसत और 132.23 की स्ट्राइक रेट के साथ 8,253 रन बना चुके हैं। उन्होंने 113* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 8 शतक और 58 अर्धशतक लगाए हैं।

केएल राहुल (10)

केएल राहुल आईपीएल में 10 पारियों में 90+ स्कोर कर चुके हैं। राहुल ने अब तक 138 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान 45.82 की औसत और 135.70 की स्ट्राइक रेट से 4,949 रन बनाने में सफल रहे हैं। उनके बल्ले से 132* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 4 शतक और 39 अर्धशतक निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 134* रन रहा है। वह आईपीएल 2025 में **DC** की टीम से खेल रहे हैं।

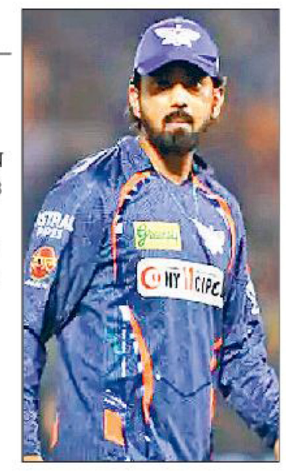

क्रिस गेल (10)

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज क्रिस गेल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा विश्व भर की तमाम टी-20 लीग्स में भी गेल ने हिस्सा लिया था। आईपीएल में उन्होंने 2009 से 2021 तक 142 मैचों में 4,965 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 175* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 6 शतक और 31 अर्धशतक लगाए थे। उन्होंने 10 पारियों में 90+ रन के स्कोर किए थे।

डेविड वार्नर (10)

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डेविड वार्नर भी आईपीएल में 10 पारियों में 90+ स्कोर कर चुके हैं। वार्नर ने 2009 से लेकर 2024 तक आईपीएल में कुल 184 मैच खेले, जिसमें 40.52 की औसत और 139.77 की स्ट्राइक रेट के साथ 6,565 रन बनाए थे।

खास खबर

पूरन के छक्के से फूटा फैन का सिर बल्लेबाज ने साइन कर जर्सी की भेंट

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अपने एक नेक काम से फैंस का दिल जीत लिया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में पूरन के एक तूफानी छक्के ने स्टैंड्स में बैठे एक फैन के सिर पर चोट पहुंचा दी थी। इसके बावजूद पूरन ने जो किया, उसने हर किसी को उनका मुरीद बना दिया। मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले पूरन ने उस फैन से मुलाकात की और उनका हाल-चाल पूछा।

छक्के से लगी थी फैन को चोट

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में निकोलस पूरन ने 34 गेंदों में 61 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी, जिसमें 7 छक्के शामिल थे, लेकिन उनकी पारी का एक छक्का स्टैंड्स में बैठे एक फैन के सिर पर जा लगा। चोट गंभीर थी और फैन के सिर पर पट्टी बांधनी पड़ी। फिर भी उस फैन का जज्बा कम नहीं हुआ और वह मैच देखने के लिए स्टेडियम में ही रुका रहा। लखनऊ सुपर जायंट्स ने उस मैच में जीत हासिल की, जिससे फैन की खुशी दोगुनी हो गई।

पूरन का दिल छू लेने वाला कदम

मैच के बाद एलएसजी ने वीडियो शेयर किया, जिसमें पूरन ने फैन से पूछा, सब ठीक है? फैन ने उत्साह से जवाब दिया, बढ़िया! पूरन सर ने मुझे बुलवाया। मैं आया, उनसे मिला। उन्होंने पूछा, सब ठीक है? मैं कल फिर मैच देखने आ रहा हूं। चाहे छक्का लगे, सिर फूटे, कोई दिक्कत नहीं। बस हमारी लखनऊ की टीम जीतती रहे। उस दिन हमारी टीम जीती, मुझे बहुत खुशी हुई। हमारी टीम ट्रॉफी का सपना पूरा करे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	8	6	2	12
बेंगलुरु	8	5	3	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	9	5	4	10
मुंबई	8	4	4	8
कोलकाता	8	3	5	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

आईपीएल: मुकेश चार विकेट लेकर बने मैन ऑफ द मैच

राहुल व पोरेल के अर्धशतकों से दिल्ली ने एलएसजी को आठ विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुकेश कुमार की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद अनुभवी लोकेश राहुल और सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आठ विकेट से शिकस्त दी। 'प्लेयर ऑफ मैच' मुकेश ने चार ओवर में 33 रन देकर चार विकेट झटके जिससे एलएसजी की टीम एडेन मारक्रम की अर्धशतकीय पारी के बावजूद छह विकेट पर 159 रन पर रोकने के बाद राहुल और अभिषेक के प्रयास से 17.5 ओवर में दो विकेट गवां कर लक्ष्य हासिल कर लिया। राहुल ने तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 42 गेंद में नाबाद 57 रन की संयमित पारी के दौरान आईपीएल में सबसे कम पारियों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने 130 पारियों में इस आंकड़े तक पहुंच कर डेविड वार्नर (135 गेंद) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। राहुल ने पोरेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 49 गेंद में 69 रन की साझेदारी करने के बाद अक्षर पटेल के साथ 36 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी की। पोरेल ने 36 गेंद में पांच चौके और एक छक्का की मदद से 51 रन बनाये जबकि दिल्ली के कप्तान अक्षर ने 20 गेंद में 34 रन की नाबाद पारी के दौरान चार छक्के और एक चौका जड़ा। एलएसजी के लिए दोनों विकेट मारक्रम ने लिये। सलामी बल्लेबाज मारक्रम ने मिचेल मार्श के साथ पहले विकेट के लिए 60 गेंद में 87 रन की साझेदारी की लेकिन टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा सके। मारक्रम ने 33 गेंद की पारी में दो चौके और तीन छक्के लगाये जबकि मार्श ने 36 गेंद में एक छक्का और तीन चौके जड़े। आखिरी ओवर में आयुष बडोनी ने 21 गेंद में छह चौके की मदद से 36 रन बनाकर टीम के स्कोर को 160 के करीब पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए करुण नायर ने शारदुल ठाकुर के खिलाफ दो चौके जड़े तो वहीं पोरेल ने ओवर का तीसरा चौका लगाकर हाथ खोला। नायर ने चौथे ओवर में मारक्रम की गेंद को दर्शकों के पास भेजकर पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गये।

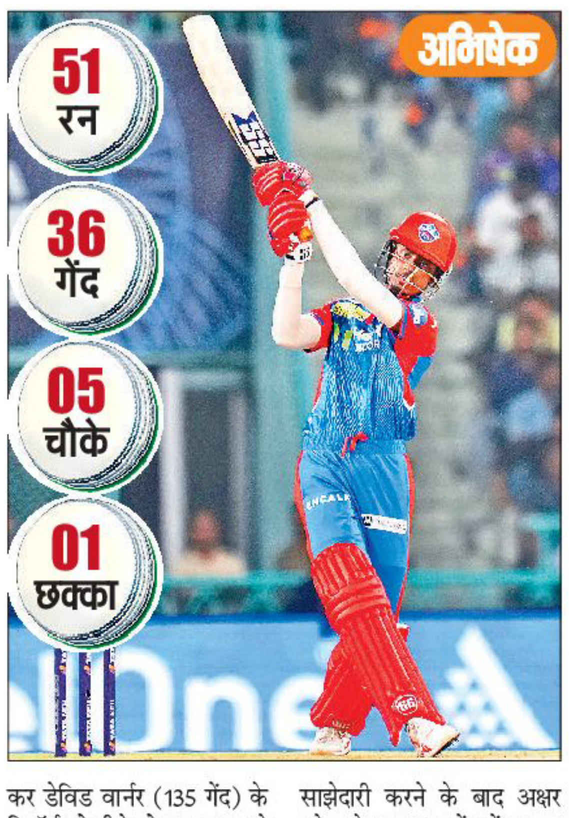

सनराइजर्स और मुंबई इंडियंस में भिड़ंत आज

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 41वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना मुंबई इंडियंस से आज बुधवार 23 अप्रैल को हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में होगा। अंकतालिका में फिलहाल छठे पायदान पर मौजूद एमआई ने अब तक 4 मैच जीते हैं और इतने में ही हार झेली है, जबकि नौवें स्थान पर मौजूद एसआरएच ने सिर्फ 2 मुकाबले जीते हैं और 5 में हार का सामना किया है। राजीव गांधी स्टेडियम की पिच पर गेंदबाजों को ज्यादा मदद नहीं मिलती है। हालांकि, तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिन गेंदबाज असरदार साबित होते हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजों को विकेट चटकाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। एक बार बल्लेबाजों की नजरें जम जाती है तो आसानी से बड़े-बड़े शॉट लगते हैं। हाउस्टेट के मुताबिक, इस मैदान पर पहली पारी का औसत स्कोर 163 रन है। एक्यूवेदर के मुताबिक, 23 अप्रैल को हैदराबाद में तेज गर्मी रहने वाली है। दिन का अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक रहने की उम्मीद है। बुधवार को हैदराबाद में बारिश की संभावना नहीं है।

100वें टूर-स्तरीय खिताब पाने मैड्रिड ओपन में खेलेंगे जोकोविच

मैड्रिड। पूर्व चैंपियन नोवाक जोकोविच अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब हासिल करने की उम्मीद में तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खेलेंगे। जोकोविच को टूर्नामेंट में चौथी वरीयता दी गई है। उन्हें ड्रॉ के उसी आधे भाग में रखा गया है जिसमें स्थानीय खिलाड़ी और पिछले दो क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले कार्लोस अल्कराज भी हैं। मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन 37 वर्षीय जोकोविच ने 2022 में सेमीफाइनल में अल्कराज से हारने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया था। जोकोविच ने अपना 99वां खिताब पिछले अगस्त में पेरिस ओलंपिक में जीता था। इसके बाद उन्हें चार टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। इनमें पिछले महीने मियामी ओपन का फाइनल भी शामिल है।

अभी तक ये खिलाड़ी जीते हैं 100वां खिताब

जोकोविच अगर यहां चैंपियन बनते हैं तो वह टूर स्तर पर 100 खिताब जीतने वाले दुनिया के तीसरे पुरुष खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी तक जिमी कॉनर्स (109) और रोजर फेडरर (103) ही यह कारनामा कर पाए हैं। जोकोविच ने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीता था। उन्होंने 2016 के फाइनल में अपने कोच एंडी मरे को हराया था।

खबर संक्षेप

शिवम दुबे उभरते खिलाड़ियों के लिए देंगे 7 लाख रुपए

चेन्नई। भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने युवाओं को प्रोत्साहित करने वाला कदम उठाते हुए मंगलवार को तमिलनाडु के 10 उभरते हुए खिलाड़ियों को 70-70 हजार रुपये देने का वादा किया। आईपीएल में सीएसके का प्रतिनिधित्व करने वाले दुबे ने यहां तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ के पुरस्कार और छात्रवृत्ति समारोह के दौरान यह दिल को छू लेने वाला फैसला लिया। दुबे को यह पुरस्कार टीएनएसजेए द्वारा दी जाने वाली 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति के अतिरिक्त दिया गया। दुबे ने समारोह के दौरान कहा, ''जब मैं टीम होटल से इस स्थान पर आ रहा था, तो टीएनसीए सचिव ने मुझे बताया कि यह कार्यक्रम यहां के कुछ युवाओं की मदद करने का एक प्रयास है। ऐसे में यह कदम सभी युवा एथलीटों का हौसला बढ़ायेगा।

मौके का पूरा फायदा उठाने की कोशिश करूंगी: कुजूर

पर्थ। जेएसडब्ल्यू सूरमा क्लब की तरफ से खेलते हुए हॉकी इंडिया लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद सीनियर राष्ट्रीय महिला टीम में जगह बनाने वाली युवा मिडफील्डर अजमीना कुजूर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में मौके का फायदा उठाने के लिए बेताब हैं। भारत को 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो मैच खेलने हैं। इसके बाद उसे एक, तीन और चार मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैच खेलने हैं।

25 से 27 तक एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारत 25 से 27 अप्रैल तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दूसरी एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इस चैंपियनशिप का आयोजन योगासन भारत द्वारा खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में 21 एशियाई देशों के कुल 170 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जबकि 40 तकनीकी अधिकारी और 30 टीम मैनेजर और कोच इसका हिस्सा होंगे।

नए खुलासे से मचा हड़कंप

राजस्थान रॉयल्स की टीम फिक्सिंग में शामिल!

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम एक बार फिर विवादों के घेरे में है. लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार के बाद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के एक बड़े अधिकारी ने टीम पर मैच फिक्सिंग का गंभीर आरोप लगाया है। बता दें कि इससे पहले राजस्थान की टीम का इस साल प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। तो वहीं लखनऊ के खिलाफ एक आसान कैच छूटा था, जिसके बाद फैंस ने ये आरोप लगाया था कि राजस्थान की टीम ने मुकाबले को फिक्स कर लिया है।

आखिरी ओवर में हार ने उठाए सवाल

आईपीएल के मैच नंबर 36 में राजस्थान रॉयल्स को 181 रनों का पीछा करना था। कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम को आखिरी ओवर में सिर्फ 9 रनों की जरूरत थी, और उनके पास 6 विकेट बाकी थे लेकिन हैरानी की बात यह रही कि लखनऊ के गेंदबाज आवेश खान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को 2 रनों से जीत दिला दी।

नीरज पवन ने आरोपों को बेबुनियाद बताया

बिहानी ने इसके साथ-साथ स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष नीरज के पवन पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एडहॉक कमेटी को नजरअंदाज किया जा रहा है और उन्हें इस बार मैच के लिए एक्रीडेशन कार्ड तक नहीं मिले हैं। इस पर नीरज ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और बिहानी के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। नीरज ने स्पष्ट किया कि फिक्सिंग जैसी चीजों पर नजर रखना बीसीसीआई का काम है।

घरेलू मैदान में ऐसी हार, संदिग्ध : जयदीप

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की विशेष समिति के संयोजक जयदीप बिहानी ने एक इंटरव्यू में कहा, हमारी टीम अपने घरेलू मैदान पर इतने कम रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी, यह समझ से परे है। यह हार संदिग्ध लगती है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के पुराने विवादों का जिक्र करते हुए 2013 के स्पॉट फिक्सिंग कांड को भी याद किया, जिसमें टीम के कुछ खिलाड़ी दोषी पाए गए थे।

अमन एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप के अगले दौर में

अम्मान। भारतीय मुक्केबाज अमन सिवाच ने यहां एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के शुरुआती दौर में किर्गिस्तान के अबुबकिर दुशीव पर कड़े संघर्ष में जीत हासिल की। पुरुषों के अंडर-17 के 63 किग्रा वर्ग में सिवाच ने महाद्वीपीय टूर्नामेंट के तीसरे दिन प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दुशीव को 4-1 से हराया। पहले दो दिनों में पुरुषों की अंडर-15 और अंडर-17 दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करके जीत हासिल की और अब सिवाच ने भी ठोस जीत हासिल करके भारत की उम्मीदों को मजबूती दी है। पुरुषों के अंडर-17 के 70 किग्रा भार वर्ग में अंशुल खासा हालांकि कजाकिस्तान के कुआनीश उरुंबसार से 0-5 से हार गए।

पेरू विश्व कप में तीसरे स्थान पर रहा भारत

विश्व कप निशानेबाजी : भारतीय दल ने जीते दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶ लीमा (पेरू)

भारत यहां संपन्न हुई आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन पृथ्वीराज टोंडिमान और प्रगति दुबे की भारतीय जोड़ी ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा के पदक दौर में पहुंचने में असफल रही।

चीन रहा शीर्ष तालिका में टॉप पर

सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने सोमवार को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भारत को अंतिम पदक दिलाया। इससे देश के पदकों की संख्या सात हो गई, जिसमें दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य शामिल हैं। अमेरिका ने भी सात पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया लेकिन अधिक स्वर्ण पदक जीतने के कारण वह भारत से आगे दूसरे स्थान पर रहा। चीन चार स्वर्ण, तीन रजत और छह कांस्य पदक के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा।

सुरुचि इंदर ने जीते दो स्वर्ण पदक

भारत के लिए असाधारण प्रदर्शन करने वाली 18 वर्षीय सुरुचि इंदर सिंह थी, जिन्होंने देश के लिए दोनों स्वर्ण जीते। उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने सौरभ चौधरी के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल का मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी हासिल किया। सोमवार को ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में टोंडिमान और दुबे 134 का संयुक्त स्कोर बनाकर आठवें स्थान पर रहे। लक्ष्य और नीरू की अन्य भारतीय जोड़ी 128 के कुल स्कोर के साथ 13वें स्थान पर रही। केवल शीर्ष चार टीमें ही पदक दौर में पहुंची।

शानदार रहा है रविंद्र जडेजा का आईपीएल करियर

एक टीम के लिए 2,000+ रन और 100+ विकेट लेने वाले खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶ धर्मशाला

इंडियन प्रीमियर लीग में विश्व के तमाम बड़े ऑलराउंडर शिरकत करते हैं। वह अपने प्रदर्शन से टीम को खिताब जिताने का प्रयास करते हैं। इस लीग के इतिहास में अब तक सिर्फ 2 ऐसे ऑलराउंडर हुए हैं, जिन्होंने एक फ्रेंचाइजी की ओर से खेलते हुए बल्लेबाजी में 2,000+ रन बनाने के साथ-साथ गेंदबाजी में 100+ विकेट लिए हैं।

रविंद्र जडेजा (सीएसके के लिए)

रविंद्र जडेजा ने चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से 180 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27.97 की औसत और 135.41 की स्ट्राइक रेट के साथ 2,042 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 62* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 4 अर्धशतक लगाए हैं। दूसरी तरफ सीएसके से उन्होंने 167 पारियों में गेंदबाजी की है, जिसमें 28.21 की औसत और 7.60 की इकॉनमी रेट के साथ 138 विकेट चटकाए हैं।

शानदार रहा है जडेजा का आईपीएल करियर

जडेजा **IPL** में 248 मैच की 192 पारियों में 27.46 की औसत और 129.60 की स्ट्राइक रेट से 3,104 रन बना चुके हैं। इसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 62 रन का रहा है। गेंदबाजी में उन्होंने 219 पारियों में 30.48 की औसत से 165 विकेट चटका लिए हैं। वह 1 बार 5 विकेट हॉल भी ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/16 विकेट का रहा है। वह आईपीएल में कुल 4 टीमों से खेल चुके हैं।

आंद्रे रसेल (केकेआर के लिए)

वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल आईपीएल 2014 से कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम से खेल रहे हैं। उन्होंने इस टीम से 127 मैच खेले हैं, जिसमें 28.60 की औसत और 174.34 की स्ट्राइक रेट के साथ 2,460 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 88* रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 11 अर्धशतक लगाए हैं। गेंदबाजी में उन्होंने 21.05 की औसत और 9.40 की इकॉनमी रेट के साथ 119 विकेट लिए हैं।

ऐसा है रसेल का आईपीएल करियर

रसेल आईपीएल 2012 और 2013 में दिल्ली कैपिटल्स से खेल चुके हैं। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 110 पारियों में 27.97 की औसत और 173.53 की स्ट्राइक रेट से 2,518 रन बना चुके हैं। इसमें 11 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 88* रन का रहा है। गेंदबाजी में उन्होंने 115 पारियों में 22.78 की औसत और 9.44 की इकॉनमी रेट से 120 विकेट चटकाए हैं। वह 1 बार 5 विकेट हॉल ले चुके हैं।

पोप फ्रांसिस का निधन: करिश्माई व्यक्तित्व और विनम्र स्वभाव से छोड़ी अमिट छाप

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह निधन हो गया जो प्रथम लैटिन अमेरिकी पोप थे और जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। वह 88 वर्ष के थे। कार्डिनल केविन फेरेल ने घोषणा की, रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस आज सुबह 7.35 बजे ईशु के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन ईशु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। पोप फ्रांसिस ने कार्डिनल फेरेल वेटिकन को कैमरलेंगो घोषित किया था।

कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा के लिए अधिकृत होते हैं। फेफड़े की गंभीर समस्या से ग्रस्त फ्रांसिस को श्वसन संबंधी दिक्कतों के चलते 14 फरवरी, 2025 को गेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। युवावस्था में उनके फेफड़े के एक हिस्से को निकालना पड़ा था। वह 38 दिन तक अस्पताल में रहे जो पोप के रूप में उनके 12 साल के कार्यकाल में अस्पताल में भर्ती होने की सबसे बड़ी अवधि है। पोप के रूप में अपने पहले अभिवादन- एक उल्लेखनीय सामान्य बुओनासेरा (शुभ संध्या) से लेकर शरणार्थियों और वंचितों को गले लगाने तक, फ्रांसिस ने पोप पद के लिए एक अलग ही मिसाल पेश की थी। उन्होंने घोटाले और उदासीनता के आरोपों से घिरे कैथलिक चर्च के लिए अहंकार की तुलना में विनम्रता पर जोर दिया। साल 2013 में 13 मार्च की उस बरसात वाली रात के बाद, अर्जेंटीना में जन्मे जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो ने 2,000 साल पुरानी संस्था में नई जान डाली थी, जिसका प्रभाव पोप बेनेडिक्ट 16वें के संकटपूर्ण कार्यकाल के दौरान कम होता चला गया था और जिनके अचानक इस्तीफे के कारण फ्रांसिस को चुना गया था। लेकिन फ्रांसिस ने जल्द ही खुद के लिए मुसीबतें खड़ी कर लीं और एलजीबीटीक्यू प्लस कैथलिकों तक उनकी पहुंच एवं परंपरावादियों पर उनकी कार्रवाई की वजह से रुढ़िवादी लोग उनसे निराश हो गए। उनकी सबसे बड़ी परीक्षा 2018 में आई जब उन्होंने चिली में पादरी यौन शोषण के एक कुख्यात मामले को गंभीरता से नहीं लिया और उनके पूर्ववर्तियों के कार्यकाल में जो घोटाला हुआ था, वह उनके कार्यकाल में फिर से सामने आया। और फिर फ्रांसिस ने लॉकडाउन में बंद वेटिकन सिटी से कोरोना वायरस महामारी के दौरान दुनियाभर में फैले धर्म का नेतृत्व करने की अभूतपूर्व क्षमता को प्रस्तुत किया। उन्होंने दुनिया से अपील की थी कि कोविड-19 को आर्थिक और राजनीतिक ढांचे पर पुनर्विचार करने के अवसर के रूप में उपयोग किया जाए। फ्रांसिस ने मार्च 2020 में खाली पड़े सेंट पीटर्स स्क्वायर में कहा था, हमें एहसास हो गया है कि हम एक ही नाव पर सवार हैं, हम सभी कमजोर हैं। लेकिन उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि महामारी ने इस जरूरत को रेखांकित किया है कि हम सभी को एक साथ पार पाना होगा, हम सभी को एक-दूसरे को सांत्वना देने की जरूरत है। फ्रांसिस को वेटिकन की नौकरशाही और वित्तीय व्यवस्था में सुधार के लिए चुना गया था, लेकिन उन्होंने चर्च के मूल सिद्धांत को बदले बिना ही उसे बदलने का भी काम किया।

पोप फ्रांसिस के जीवन की प्रमुख घटनाएं

- **17 दिसंबर 1936:** जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो का जन्म अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुआ था। वह इटली के एक अकाउंटेंट मारियो जोस बर्गोग्लियो और इतालवी आप्रवासी की बेटी रेजिना मारिया सिवोरी की पांच संतानों में सबसे बड़े थे।
- **13 दिसंबर, 1969:** वह जेसुइट धार्मिक आदेश के तहत पादरी नियुक्त किए गए जिसका उन्होंने 1970 के दशक में अर्जेंटीना के प्रांतीय प्रमुख के तौर पर नेतृत्व किया। यह वह वक्त था जब देश में तानाशाही की शुरुआत हुई थी।
- **20 मई, 1992:** जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो ब्यूनस आयर्स के सहायक बिशप नियुक्त किए गए तथा 1998 में अर्जेंटीना की राजधानी के आर्कबिशप के रूप में कार्डिनल एंटोनियो क्वारासिनो का स्थान लिया।
- **21 फरवरी, 2001:** सेंट जॉन पॉल द्वितीय द्वारा जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो कार्डिनल पद पर पदोन्नत किए गए।
- **13 मार्च, 2013:** जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो 266वें पोप चुने गए। वह अमेरिका से पहले पोप थे। इसके अलावा वह इस शीर्ष धार्मिक पद पर पहुंचने वाले पहले जेसुइट थे तथा सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के बाद फ्रांसिस नाम अपनाने वाले प्रथम व्यक्ति थे।
- **25 मई, 2014:** फलस्तीनी मुद्दे के प्रति समर्थन प्रदर्शित करने के लिए, पोप फ्रांसिस पश्चिमी तट के बेतलहम शहर को इजराइल से अलग करने वाली दीवार पर प्रार्थना करने के लिए अचानक रुके।
- **आठ जून, 2014:** वेटिकन गार्डन में शांति प्रार्थना के लिए पोप फ्रांसिस ने इजराइल और फलस्तीनी राष्ट्रपतियों की मेजबानी की।
- **10 जुलाई, 2015:** औपनिवेशिक युग के दौरान अमेरिका के मूल निवासियों के विरुद्ध कैथोलिक चर्च के पापों और अपराधों के लिए पोप फ्रांसिस ने बोलीविया में क्षमा मांगी।
- **18 फरवरी, 2016:** अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर मृत प्रवासियों के लिए पोप फ्रांसिस ने प्रार्थना की। बाद में उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पद के तत्कालीन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप सीमा पर दीवार बनाने की इच्छा रखने के कारण ईसाई नहीं हैं।
- **12 अप्रैल, 2018:** पोप फ्रांसिस ने चिली के यौन शोषण कांड में निर्णय में गंभीर गलतियां स्वीकार की। बाद में चिली के बिशपों को उनके इस्तीफे के लिए रोम बुलाया और पीड़ितों को माफी के लिए वेटिकन आमंत्रित किया।
- **तीन अगस्त, 2018:** आधिकारिक चर्च शिक्षा में बदलाव करते हुए सभी परिस्थितियों में मृत्युदंड को अस्वीकार्य घोषित किया गया।
- **22 सितंबर, 2018:** वेटिकन और चीन ने बिशप नामांकन पर ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **चार फरवरी, 2019:** मिस्र के अल अजहर विश्वविद्यालय के इमाम के साथ 'मानव बंधुत्व' दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे कैथोलिक और मुसलमानों के बीच सहयोगात्मक संबंध स्थापित हुए।
- **नौ मई, 2019:** नया चर्च कानून जारी किया गया, जिसके तहत पादरी द्वारा यौन शोषण की रिपोर्ट आंतरिक तौर पर दर्ज करने को आवश्यक किया गया है। हालांकि यह रिपोर्ट पुलिस को नहीं दी जाएगी। आरोपी बिशपों, कार्डिनलों और धार्मिक व्यक्तियों की जांच के लिए प्रक्रियाएं स्थापित की गईं।
- **24 नवंबर, 2019:** जापान के हिरोशिमा और नागासाकी की यात्रा के दौरान पोप फ्रांसिस ने परमाणु हथियारों का उपयोग करने और उन्हें रखने को अनैतिक घोषित किया।
- **17 दिसंबर, 2019:** पादरी यौन शोषण मामलों में पोंटिफिकल गोपनीयत के उपयोग को समाप्त कर दिया गया, जिससे बिशपों को उत्पीड़न करने वालों के बारे में आंतरिक दस्तावेज कानून प्रवर्तन के साथ साझा करने की अनुमति मिल गई।
- **पांच से आठ मार्च, 2021:** इराक का दौरा करने वाले पहले पोप बने, वहां के शीर्ष शिया मुस्लिम धर्मगुरु से मुलाकात की।
- **चार जुलाई, 2021:** रोम के जेमेली अस्पताल में पोप फ्रांसिस की आंत की सर्जरी हुई, बड़ी आंत का 33 सेंटीमीटर (13 इंच) का हिस्सा निकाला गया।
- **पांच जनवरी, 2023:** पोप बेनेडिक्ट 16वें की अंतिम संस्कार प्रार्थना की अध्यक्षता की।
- **14 फरवरी, 2025:** ब्रोंकाइटिस की स्थिति बिगडने के बाद पोप फ्रांसिस को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जो बाद में फेफड़ों के जटिल संक्रमण और निमोनिया का कारण बना।

डोमस सांता मार्टा के चैपल से पढ़ा गया पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा वाला संदेश

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा वाला संदेश वेटिकन के कैमरलेंगो कार्डिनल केविन फेरेल ने सोमवार को डोमस सांता मार्टा के चैपल से पढ़ा, जहां फ्रांसिस रहते थे। इस दौरान, वेटिकन के विदेश मंत्री कार्डिनल पिएत्रो परोलिन, कार्यकारी चीफ ऑफ स्टाफ आर्कबिशप एडगर पेना पारा और धार्मिक समारोहों के मास्टर आर्कबिशप डिएगो रवेली फेरेल के साथ थे। फेरेल ने घोषणा की, प्रिय भाइयों और बहनो, मैं बहुत दुख के साथ फादर फ्रांसिस के निधन की घोषणा करता हूं। रोम के बिशप, पोप फ्रांसिस आज सुबह 7.35 बजे ईशु के घर लौट गए। उनका पूरा जीवन ईशु और उनके चर्च की सेवा के लिए समर्पित था। फेरेल ने कहा, पोप फ्रांसिस ने हमें ईसाई धर्म के मूल्यों का पूरी निष्ठा, साहस और सार्वभौमिक प्रेम भाव के साथ पालन करना सिखाया, खासतौर पर सबसे गरीब और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए। ईशु के सच्चे शिष्य के रूप में मिसाल पेश करने और परमेश्वर का असीम दयालु प्रेम प्रकट करने के लिए हम पोप फ्रांसिस की कृतज्ञता के साथ प्रशंसा करते हैं। पोप फ्रांसिस ने कार्डिनल फेरेल को वेटिकन का कैमरलेंगो घोषित किया था। कैमरलेंगो की पदवी उन कार्डिनल या उच्चस्तरीय पादरी को दी जाती है, जो पोप के निधन या उनके इस्तीफे की घोषणा करने के लिए अधिकृत होते हैं।

हम एक महान व्यक्ति को अलविदा कह रहे हैं : मेलोनी

विश्व नेताओं ने पोप फ्रांसिस के निधन पर शोक व्यक्त किया

» वेटिकन सिटी, भाषा।

पोप फ्रांसिस के निधन पर सोमवार को वैश्विक नेताओं ने शोक व्यक्त किया और इसे विश्व के लिए एक बड़ी क्षति बताया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि फ्रांसिस के निधन की खबर से हमें अत्यंत दुख हुआ है और हम एक महान व्यक्ति को अलविदा कह रहे हैं। पोप फ्रांसिस का सोमवार सुबह 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया जो प्रथम लातिन अमेरिकी पोप थे, जिन्होंने अपने करिश्माई व्यक्तित्व, विनम्र स्वभाव तथा गरीबों के प्रति चिंता के साथ पूरी दुनिया में लोगों पर अमिट छाप छोड़ी। फ्रांसिस फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे। युवावस्था में उनके एक फेफड़े का हिस्सा निकाल दिया गया था। उन्हें 14 फरवरी, 2025 को सांस लेने में तकलीफ के कारण जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह वहां 38 दिन रहे थे। मेलोनी ने कहा, मुझे उनकी मित्रता, उनकी सलाह और उनकी शिक्षाएं प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। इतालवी प्रधानमंत्री ने कहा, उनकी (पोप) शिक्षा और विरासत कभी नष्ट नहीं होगी।

हम पवित्र पिता को दुख भरे हृदय से विदाई देते हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अब वह प्रभु की छाया में हैं। आयरलैंड के विदेश मंत्री साइमन हैरिस ने आशा व्यक्त की कि पोप फ्रांसिस की शिक्षाएं विश्व को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि न्याय, शांति और मानव गरिमा के प्रति दिवंगत पोप की प्रतिबद्धता ने विश्वभर में लाखों लोगों को प्रभावित किया। हैरिस ने एक बयान में कहा कि गरीबों के कल्याण की चिंता, अंतर-धार्मिक संबंधों में सुधार का आह्वान और पर्यावरण की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के संदेश से फ्रांसिस आशा की किरण और बेजुबानों की आवाज बनकर सामने आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी पोप के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ब्यूनस आयर्स से लेकर रोम तक पोप फ्रांसिस चाहते थे कि चर्च सबसे गरीब लोगों के लिए खुशी और उम्मीद लेकर आए। इंसान आपस में और प्रकृति के साथ जुड़ें। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक स्कोफ ने पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि पोप हर तरह से जनता के व्यक्ति थे। स्कोफ ने एक्स पर लिखा, वैश्विक कैथोलिक समुदाय एक ऐसे नेता को विदाई दे रहा है जिसने हमारे समय के ज्वलंत मुद्दों को पहचाना और उन पर ध्यान आकृष्ट किया। अपनी संयमित जीवनशैली, सेवा और करुणाभरे स्नेह के साथ पोप फ्रांसिस अनेक लोगों के लिए एक आदर्श थे। इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हर्ज़ोग ने पोप के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा कि उन्होंने यहूदियों के साथ मजबूत संबंध बनाए और अंतर-धार्मिक संवाद को बढ़ावा दिया। फ्रांसिस ने बार-बार इजराइल के युद्ध आचरण की आलोचना की थी और कहा था कि नरसंहार के आरोपों की जांच होनी चाहिए। यूरोपीय संघ की शीर्ष नेता उर्सुला वॉन डेर लेएन ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि फ्रांसिस न केवल ईसाइयों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणा थे। भारत यात्रा पर गए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पोप के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि उनका दिल दुनिया भर के उन लाखों ईसाइयों के लिए दुखी है, जो उनसे प्यार करते थे। वेंस ईस्टर संडे के दिन पोप फ्रांसिस से मिले थे। उन्होंने एक्स पर लिखा, कल उनसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई, हालाँकि वह बहुत बीमार थे।

निर्वाचन आयोग समझौता कर चुका है : राहुल

» बोस्टन (अमेरिका), भाषा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनकी इस कथित टिप्पणी को लेकर उन्हें देशद्रोही करार दिया और नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया। राहुल गांधी शनिवार को अमेरिका पहुंचे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि इतने समय में इतने अधिक लोगों का मतदान केंद्र तक पहुंच कर वोट डालना संभव नहीं है। एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर हिसाब लगाएं तो इसका मतलब है कि मतदाताओं की कतारें देर रात 2 बजे तक लगी रही होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जब हमने उनसे वीडियोग्राफी के लिए कहा, तो उन्होंने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि उन्होंने कानून भी बदल दिया ताकि अब हमें वीडियोग्राफी के लिए कहने की अनुमति न मिले। गांधी ने कहा, यह हमारे लिए बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्वाचन आयोग ने समझौता कर लिया है और यह भी स्पष्ट है कि प्रणाली में कुछ गड़बड़ है। मैं कई बार यह बात कह चुका हूं। गांधी की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने नई दिल्ली में कहा, आप प्रवर्तन निदेशालय (की नेशनल हेराल्ड मामले में कार्रवाई) की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं। ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, ईडी आपको नहीं छोड़ेगा क्योंकि एजेंसियां तथ्यों के आधार पर काम करती हैं।

न्यूज ब्रीफ

वेटिकन ने आईएस से जुड़े विस्फोटों में मारे गए 167 श्रीलंकाई लोगों को धर्म साक्षी नामित किया

» कोलंबो, भाषा।

श्रीलंका के कैथोलिक चर्च ने कहा है कि वेटिकन ने छह साल पहले आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़े आत्मघाती बम विस्फोटों में मारे गए अपने 167 अनुयायियों को धर्म साक्षी के रूप में नामित किया है। हमलों में मारे गए लोगों की याद में सोमवार को ईसाई, बौद्ध, हिंदू और इस्लाम धर्म से जुड़े सैकड़ों लोगों ने सेंट एंथनी चर्च में एक प्रार्थना सभा में भाग लिया। कोलंबो के आर्कबिशप कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने उपस्थित लोगों को बताया कि वेटिकन ने कोलंबो स्थित सेंट एंथनी और नेगोम्बो स्थित सेंट सेबेस्टियन गिरजाघरों में बम विस्फोटों में मारे गए 167 कैथोलिक लोगों के नाम अपनी ऑर्डर बुक में धर्म साक्षी के रूप में शामिल किए हैं। रंजीत ने यह भी कहा कि अन्य धर्मों के सात मृतकों को भी सम्मानपूर्वक याद किया गया। अपने धर्म के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले लोगों को ईसाई धर्म में धर्म साक्षी कहा जाता है।

कैथोलिक धर्म का पालन करते हुए जान गंवाने वाले लोगों के लिए चर्च से मान्यता की संबंधित नई श्रेणी को पोप फ्रांसिस ने 2023 में औपचारिक रूप दिया था और ऐसे मामलों को सूचीबद्ध करने के लिए एक विशेष वेटिकन आयोग का गठन किया था। श्रीलंका में 21 अप्रैल, 2019 को ईस्टर संडे के दौरान तीन पर्यटक होटलों और तीन गिरजाघरों (दो कैथोलिक और एक प्रोटेस्टेंट) में लगभग एक साथ हुए बम विस्फोटों में 42 विदेशियों सहित 260 से अधिक लोग मारे गए थे। ब्रिटिश टेलीविजन चैनल 4 द्वारा एक व्यक्ति का साक्षात्कार लिए जाने के बाद श्रीलंका में कैथोलिक चर्च ने हमलों की आगे की जांच की मांग की है। साक्षात्कार में संबंधित व्यक्ति ने कहा कि उसने इस्लामिक स्टेट से प्रेरित स्थानीय संगठन नेशनल तौहीद जमात और एक शीर्ष सरकारी खुफिया अधिकारी के बीच एक बैठक की व्यवस्था की थी।

श्रीलंका के कार्डिनल ने ईस्टर संडे जांच को लेकर डीप स्टेट को खत्म करने पर जोर दिया

कोलंबो। श्रीलंका में स्थानीय कैथोलिक गिरजाघर के प्रमुख कार्डिनल मैल्कम रंजीत ने सोमवार को देश के अंदर डीप स्टेट को खत्म करने पर जोर दिया। कार्डिनल का आरोप है कि देश के अंदर मौजूद ए डीप स्टेट (नीति-निर्माण को नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली, ताकतवर गैर सरकारी तत्व) ही 2019 के ईस्टर संडे हमलों में विश्वसनीय जांच को रोकने के लिए जिम्मेदार हैं। आईएसआईएस से जुड़े स्थानीय इस्लामी चरमपंथी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) के नौ आत्मघाती हमलावरों ने 21 अप्रैल, 2019 को तीन गिरजाघरों और कई आलीशान होटलों में सिलसिलेवार विनाशकारी विस्फोट को अंजाम दिया था, जिसमें 11 भारतीयों सहित 258 लोग मारे गए थे। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से इस घटना के छह साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित स्मृति संबोधन में पांच सूत्री अनुरोध करते हुए रंजीत ने कहा, डीप स्टेट समूह के संचालन को समाप्त करने के लिए कानून बनाए जाने चाहिए।

चीन ने उसकी कीमत पर अमेरिका से व्यापार समझौते करने वाले देशों को जवाबी कार्रवाई की धमकी दी

» बीजिंग, भाषा।

चीन ने सोमवार को धमकी दी कि वह चीनी हितों की कीमत पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने की कोशिश करने वाले देशों पर जवाबी कार्रवाई करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह टिप्पणी उन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए की, जिनमें कहा गया था कि अमेरिका, शुल्क छूट के बदले में चीन के साथ व्यापार संबंधों को सीमित करने के लिए अन्य देशों पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है।

प्रवक्ता ने बयान में कहा कि चीन, अमेरिका और उसके व्यापारिक साझेदारों के बीच चीनी हितों की कीमत पर किए जाने वाले किसी भी समझौते का दृढ़ता से विरोध करता है। बयान में कहा गया, यदि ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो चीन इसे स्वीकार नहीं करेगा और दृढ़तापूर्वक इसके अनुरूप जवाबी कदम उठाएगा। इसमें कहा गया है कि चीन को समाधान करने का अधिकार है और अपने वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करने की क्षमता भी है। प्रवक्ता ने कहा कि तथाकथित जवाब की आड़ में, अमेरिका हाल ही में अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर मनमाने ढंग से शुल्क लगा रहा है, तथा उन पर तथाकथित जवाबी शुल्क वार्ता में शामिल होने के लिए दबाव डाल रहा है। उन्होंने कहा, यह मूलतःप्रतिक्रिया के बैनर का इस्तेमाल आधिपत्यवादी राजनीति और अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं व्यापार के क्षेत्र में एकतरफा धौंस जमाने के बहाने के रूप में किया जा रहा है। चीन का यह कड़ा रुख उन रिपोर्ट के बीच आया है जिनमें कहा गया है कि कई देश, जिनके खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुल्क लगाए थे, अब आकर्षक अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से अपने निर्यात को बहाल करने के लिए उसके साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करना चाह रहे हैं। समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका शुल्क वार्ता का उपयोग करके दर्जनों देशों पर दबाव बनाने की योजना बना रहा है ताकि वे चीन के साथ व्यापार पर नए अवरोध लगा सकें।

हांगकांग मुद्दे पर अमेरिका से तनातनी:चीन लगाएगा अमेरिकी अधिकारियों और नेताओं पर प्रतिबंध

हांगकांग। चीन ने सोमवार को ऐलान किया कि वह उन अमेरिकी सांसदों, अधिकारियों और गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) के प्रमुखों पर प्रतिबंध लगाएगा जिन्होंने हांगकांग से जुड़े मामलों में खराब भूमिका निभाई है। यह फैसला अमेरिका द्वारा मार्च में छह चीनी और हांगकांग अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने के जवाब में लिया गया है। अमेरिका ने इन अधिकारियों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमन और हांगकांग की स्वायत्तता को कमजोर करने के आरोप लगाए थे। इनमें न्याय मंत्री पॉल लैम, सुरक्षा निदेशक डोंग जिंगवेई और पूर्व पुलिस आयुक्त रेमंड सिउ शामिल हैं। बीजिंग में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने इन अमेरिकी कदमों को ैघृणितै बताते हुए कहा कि यह हांगकांग के मामलों में गंभीर हस्तक्षेप और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि हांगकांग, चीन का आंतरिक मामला है और किसी भी बाहरी दखल का चीन सख्ती से जवाब देगा। गुओ ने बताया कि यह कार्रवाई चीन के विदेश रोधी प्रतिबंध कानून के तहत की जा रही है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन अमेरिकी व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।यह ताज़ा विवाद ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव जारी है। साथ ही, चीन ने अन्य देशों को भी चेतावनी दी है कि वे अमेरिका से ऐसे व्यापारिक समझौते न करें जो चीन के हितों के खिलाफ हों।

कनाडा में हिंदू मंदिर को विरूपित किया गया

» टोरंटो, भाषा।

कनाडा के सरे स्थित एक मंदिर को असामाजिक तत्वों ने विरूपित कर दिया और इसके प्रवेश द्वार तथा स्तंभों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिख दिए। मंदिर प्रबंधन ने एक बयान में कहा कि यह घटना 19 अप्रैल को सरे स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में हुई। बयान में कहा गया, हम गहरे दुख के साथ समुदाय को 19 अप्रैल, 2025 को तड़के लगभग तीन बजे हुई एक परेशान करने वाली घटना की जानकारी दे रहे हैं। दो अज्ञात व्यक्तियों ने सरे में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को विरूपित किया और प्रवेश द्वार तथा मंदिर के स्तंभों पर खालिस्तान शब्द लिख दिया।

इसके अलावा, इस कृत्य के दौरान सुरक्षा कैमरा भी चुरा लिया गया। बयान में कहा गया, हम घृणा और चोरी के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं, जो न केवल एक अपराध है, बल्कि एक पवित्र स्थान पर सीधा हमला है। इसमें कहा गया कि सरे पुलिस के समक्ष आधिकारिक तौर पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है और जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है। बयान में कहा गया, हम नेताओं से आग्रह करते हैं कि वे इस घृणा अपराध की निंदा करने में हमारा साथ दें।

रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि संकट की घड़ी में दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े : राजदूत सिंह

इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करने का आग्रह किया

» यरुशलम, भाषा।

इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सोमवार को विशेष रूप से भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना पर जोर देते हुए भारत से भू-रणनीतिक मुद्दों पर मिलकर काम करके द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने का आग्रह किया। हर्जोग ने इस परियोजना को दुनिया का भविष्य बताया। हर्जोग ने इजराइल में भारत के नवनियुक्त राजदूत जे. पी. सिंह से कहा, हम भारत राष्ट्र और उसके नेतृत्व का बहुत सम्मान करते हैं। इजराइल के लोग आपके देश से प्यार करते हैं।

मैं आपके देश का दौरा करने और इजराइल में आपके राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की मेजबानी करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहा हूं। भारतीय राजदूत सिंह ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास पर एक समारोह में अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया। इजराइल के राष्ट्रपति ने भारत के नए दूत का स्वागत करते हुए कहा, मैं आपके कार्यकाल में आपको अत्यधिक सफलता मिलने की कामना करता हूं। उन्होंने भारत और इजराइल से भू-रणनीतिक मुद्दों, रणनीतिक मुद्दों, बंधकों की घर वापस लाने, ईरान को (परमाणु हथियार प्राप्त करने से) रोकने, शांति और समावेश, कनेक्टिविटी की दिशा में आगे बढ़ने और निश्चित रूप से दोनों देशों के लोगों के बीच अविश्वसनीय संबंधों को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। दोनों देशों के बीच सहयोग के क्षेत्रों पर बात करते हुए हर्जोग ने आईएमईसी को दुनिया का भविष्य बताया, जिसमें दुनिया की पूरी भू-रणनीतिक स्थिति को बदलने की क्षमता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आपकी सबसे बड़ी भूमिका आईएमईसी होगी। आईएमईसी दुनिया का भविष्य है, न कि केवल क्षेत्र का। इजराइल और भारत के बीच संपर्क यूरोप, अमेरिका, सुदूर पूर्व और ऑस्ट्रेलिया में भू-रणनीतिक स्थिति को बदल देगा। यह आप पर निर्भर है और मैं आपकी मदद करने के लिए यहां हूं। आईएमईसी परियोजना की घोषणा 2023 में नई दिल्ली जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत से यूरोप तक बुनियादी ढांचे को जोड़ने, पश्चिम एशिया से एशिया को यूरोप से जोड़ने वाली परियोजना के रूप में की गई थी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे इतिहास की सबसे बड़ी सहयोग परियोजना करार दिया था, जो पश्चिम एशिया, इजराइल का चेहरा बदलने वाली और पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली होगी। फरवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका के वाशिंगटन की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे सीधे अमेरिका से जोड़ते हुए कहा था कि वह परियोजना के दायरे को बढ़ाने के लिए भारतीय नेता से सहमत हैं। सिंह ने भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी पर जोर देते हुए कहा कि संकट की घड़ी में दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। सिंह ने कहा, हमने एक-दूसरे की मदद की है और हमें इस रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। हम कई क्षेत्रों में जैसे कृषि, जल प्रबंधन, आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र के साथ-साथ रक्षा सहयोग में एक-दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। आईएमईसी एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहल है।

अमेरिका के बड़े हवाई अड्डों के पास विमानों के लिए ड्रोन का खतरा बढ़ रहा : रिपोर्ट

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के प्रमुख हवाई अड्डों के पास उड़ान भरते या उतरते वाणिज्यिक विमानों के लिए ड्रोन एक गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। पिछले साल ड्रोन से जुड़े लगभग दो-तिहाई करीबी टक्कर के मामलों की पुष्टि हुई, जो वर्ष 2020 के बाद सबसे अधिक हैं। एसोसिएटेड प्रेस द्वारा किए गए विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नवंबर में एक यात्री विमान से मात्र 300 फुट की दूरी पर एक ड्रोन दिखाई दिया। अक्टूबर में मियामी और अगस्त में नेवार्क हवाई अड्डे के पास भी इसी तरह की घटनाएं हुईं, जिन्हें निकट हवाई टक्कर श्रेणी में रखा गया। पिछले एक दशक में करीबी टक्कर के 240 दर्ज मामलों में से 122 मामले ड्रोन से संबंधित थे। विशेषज्ञों ने बताया है कि विशेषकर हवाई अड्डों के पास इस तरह की घटनाएं विनाशकारी हो सकती हैं।

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने ऐसे खतरों को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। 250 ग्राम से अधिक वजन वाले ड्रोन के लिए पंजीकरण और रेडियो ट्रांसपोंडर अनिवार्य किया गया है। साथ ही, हवाई अड्डों के पास ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध है, हालांकि इसका पालन कराना चुनौतीपूर्ण है। एफएए हवाई अड्डों के पास ड्रोन को पहचानने और निष्क्रिय करने के लिए जैमिंग, माइक्रोवेव और लेजर तकनीकों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों ने ट्रांसपोंडर को ट्रैक कर जुर्माना भेजने और जियोफेंसिंग जैसे तकनीकी उपायों को अनिवार्य करने की सिफारिश की है। हालांकि, प्रमुख ड्रोन निर्माता दाजियांग इनोवेशन (डीजेआई) ने जनवरी में अपनी जियोफेंसिंग सुविधा हटा दी। एफएए ने अभी तक इसे अनिवार्य करने पर कोई फैसला नहीं लिया है। ड्रोन से जुड़ी घटनाओं में हाल ही में दो लोगों को बोस्टन में गिरफ्तार किया गया और कैलिफोर्निया में एक ड्रोन के विमान से टकराने पर ऑपरेटर को दोषी ठहराया गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,